RNI-MPHIN/2018/75526

वर्ष-08 |अंक-280| पृष्ठ 08| मूल्य 02/-

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, शुक्रवार

17 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-3, विक्रम संवत् 2083

दतिया उपचुनाव

जातीय समीकरण साधने भाजपा उतारेगी दिग्गज हर समाज के लिए अलग चुनावी प्लान

दतिया। दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा ने जातीय समीकरणों के हिसाब से चुनावी रणनीति तैयार कर ली है। विधानसभा का 20 से 24 जुलाई तक चलने वाला मानसून सत्र समाप्त होते ही सरकार और संगठन पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार में उतरेंगे। पार्टी अलग-अलग समाजों में प्रभाव रखने वाले मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं को उसी वर्ग के मतदाताओं के बीच प्रचार की जिम्मेदारी सौंपेगी, ताकि अधिक से अधिक वोट अपने पक्ष में किए जा सकें।

निर्वाचन आयोग ने नियुक्त किए ऑब्जर्वर

केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने दतिया चुनाव में पारदर्शिता और सुरक्षा की निगरानी के लिए मप्र के बाहर के तीन वरिष्ठ अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को ऑब्जर्वर नियुक्त किया है।

दतिया सीट पर सबसे ज्यादा प्रभाव

राजनीतिक जानकारों के अनुसार इन वर्गों के मतदाता चुनाव परिणाम तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। भाजपा ने भी अपनी रणनीति का केंद्र इन्हीं समाजों को बनाया है। पार्टी को सबसे बड़ी चुनौती ब्राह्मण मतदाताओं को एकजुट रखने की है। पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का इस समाज में मजबूत प्रभाव माना जाता रहा है। ऐसे में भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी के पक्ष में ब्राह्मण वोटों को बनाए रखने के लिए पार्टी ने विशेष रणनीति बनाई है।

रायपुर में ई-20 पेट्रोल डालने से इंजन खराब

कंज्यूमर कोर्ट बोला- मारुति सुजुकी नई कार दे या 20 लाख लौटाएं; देश का पहला मामला

रायपुर। देशभर में पेट्रोल में ई-20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन) के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी बीच रायपुर में ई-20 पेट्रोल से कार के इंजन के खराब होने का मामला सामने आया है। इससे जुड़े मामले में कंज्यूमर कोर्ट ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर को जिम्मेदार ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि नई कार दी जाए या 20 लाख लौटाए जाए। कोर्ट ने माना कि गाड़ी का इंजन ई-20 फ्यूल के हिसाब से नहीं था, फिर भी कार कस्टमर को बेची गई। कोर्ट ने कहा कि 45 दिनों के अंदर ग्राहक को उसी मॉडल की नई कार दी जाए, जो ई-20 फ्यूल के अनुकूल हो।

डीलर ने कार की गलत जानकारी दी

डॉ. प्रेमराज देबता ने बताया कि उन्होंने जून 2024 में मारुति सुजुकी की नेक्सा डीलरशिप से ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड जेटा प्लस खरीदी थी। खरीदारी के समय डीलर ने बताया था कि कार दिसंबर 2023 में मैन्युफैक्चर हुई है, लेकिन बाद में आयोग के रिकॉर्ड से पता चला कि कार जनवरी 2023 में मैन्युफैक्चर हुई थी।

इंजन खराब, 5.30 लाख खर्च होंगे

कंपनी ने माना कि पहली बार टंकी पूरी तरह साफ नहीं हुई थी और केमिकलयुक्त ईंधन अंदर रह गया था। इसके बाद फिर सफाई की गई, लेकिन फिर फ्यूल टैंक, पाइपलाइन और फिल्टर में फिर सफेद परत और तरल पदार्थ मिला।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत मंडपम में भारत टैक्स-2026 कार्यक्रम को किया संबोधित

मप्र में कपड़ा उत्पादन और रोजगार के अवसर बढ़े हैं : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश टैक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर प्रबंधन करते हुए कपड़ा उत्पादन और रोजगार दोनों को बढ़ा रहा है। टैक्सटाइल इंडस्ट्री से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धार जिले में देश के पहले पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखी है। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा और मालवा-निमाड़ अंचल के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा। पीएम मित्र पार्क से खेत से लेकर गारमेंट इंडस्ट्री और इंडस्ट्री से वैश्विक बाजार तक प्रदेश के उत्पादों की पहुंच आसान होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योपतियों और निवेशकों को मध्यप्रदेश में अपना उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण देते हुए कहा कि एक बार जो मध्यप्रदेश आता है वहीं का होकर रह जाता है। हृदय प्रदेश सभी उद्योगपतियों का स्वागत कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम् में भारत टैक्स-2026 के अंतर्गत आयोजित राउंड टेबल संवाद कार्यक्रम में यह विचार व्यक्त किए।

धार के पीएम मित्र पार्क में 90प्रश भूखंड आवंटित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किमध्यप्रदेश में गारमेंट सेक्टर में धार जिले का पीएम मित्रा पार्क देश का सबसे बड़ा मित्र पार्क है। इसमें 90 प्रतिशत भूखंड आवंटित हो चुके हैं। यह एक उपलब्धि है। पारंपरिक वस्त्र निर्माण और कपास उद्योग कई दशकों से भारत की पहचान है।

महेश्वरी और चंदेरी साड़ियां वस्त्र उद्योग में विशेष स्थान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत मंडपम् में वस्त्र उद्योग का कुंभ आयोजित हो रहा है। मध्यप्रदेश सरकार, सभी वैश्विक ब्रांड्स के प्रतिनिधि, निवेशक, उद्योगपति, पॉलिसी मेकर और फैशन डिजाइनर भारत सरकार के संकल्प के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। वर्तमान समय ब्रांडिंग और पैकेजिंग का है। प्राचीन समय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने स्थानीय बुनकरों को रोजगार से जोड़ने के लिए महेश्वरी साड़ियां तैयार करने की शुरुआत करवाई थी। महेश्वरी साड़ियां वर्तमान में भी देश-विदेश मे लोकप्रिय है। चंदेरी की साड़ियां भी वस्त्र उद्योग में विशेष स्थान रखती हैं। आज भी स्वावलंबन और रोजगार परक उद्योग हमारी पहचान हैं।

राज्य सरकार ने उद्योगपतियों और निवेशकों से किए पूरे किए सभी वादे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब जरी स्टेट, रेशम स्टेट, मैनमेड फाइबर स्टेट, कॉटन कैपिटल बन चुका है। राज्य में टैक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था, कुशल कामगारों की पर्याप्त उपलब्धता और श्रमिकों के साथ आत्मीय संबंध बेहतर औद्योगिक वातावरण प्रदान करते है। राज्य सरकार ने उद्योगपति और निवेशकों से किए अपने सभी वायदे पूरे किए हैं। सभी सेक्टर्स में उद्योगपतियों और निवेशकों को सब्सिडी के रूप में उनके हक की राशि डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की जा चुकी है। राज्य सरकार ने मई 2026 तक की सभी देनदारियां चूकता कर दी हैं। प्रदेश सरकार ने डेढ़ साल में लगभग 5500 करोड़ रुपए की राशि उद्योगपतियों को सब्सिडी के रूप में उपलब्ध करायी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने ग्रीन एनर्जी सेक्टर में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की हैं। राज्य में सोलर और पंप स्टोरेज से

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक

तेल अवीव। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिम को देखते हुए भारत ने अगले आदेश तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की नई तैनाती पर रोक लगा दी है। यह आदेश जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और नाविकों की भर्ती करने वाली रिक्रूटमेंट एंड प्लेसमेंट सर्विस लाइसेंस कंपनियों पर लागू होगा। सरकार ने सभी समुद्री कंपनियों को अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा गया है कि वे नौवहन संबंधी सभी चेतावनियों और सुरक्षा सलाह पर लगातार नजर रखें और इंटरनेशनल शिप एंड पोर्ट फैसिलिटी सिक्योरिटी कोड का पूरी तरह पालन करें। सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब इसी हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास हुए ईरानी हमलों में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बाद इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा बढ़ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र में हुए हमलों में कम से कम 14 भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है।

सरकार ने आदेश जारी किए; हमलों में 14 भारतीयों की मौत के बाद फैसला

परिसीमन-महिला आरक्षण...

शरद पवार बदल सकते हैं पाला सरकार को समर्थन के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस, आप और शिवसेना यूबीटी में टूट के बाद मानसून सत्र के पहले विपक्षी एकता को एक और बड़ा झटका लगने वाला है। पार्टी में सांसदों-विधायकों के बगावती सुर के बीच एनसीपी न सिर्फ परिसीमन व महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक का समर्थन कर सकती है, बल्कि सत्र से पहले राजग में शामिल होने का फैसला भी कर सकती है। एनसीपी के नए रुख ने मानसून सत्र में संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो तिहाई समर्थन जुटाने में लगी सरकार को नई ऊर्जा दी है। गौरतलब है कि छह सांसदों और आधे से अधिक विधायकों के बगावती सुर के बीच शरद पवार की शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे से मुलाकात की काफी चर्चा हुई थी। इस बीच मंगलवार देर रात पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल भी सीएम देवेंद्र फडणवीस से गुपचुप मिले। इसी दौरान दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह के साथ एकनाथ शिंदे और शिवसेना यूबीटी गुट के बागी सांसदों की मैराथन बैठक हुई थी।

पवार का समर्थन तय

भाजपा सूत्रों के मुताबिक फडणवीस और जयंत पाटिल की मुलाकात में एक बात तो तय हो गई है कि एनसीपी (एसपी) महिला आरक्षण-परिसीमन से जुड़े विधेयक के पक्ष में मतदान करेगी, जहां तक बागी सांसदों-विधायकों की बात है तो इस पर बातचीत जारी है।

अब टिन्नू और मनीष पर पुलिस का शिकंजा

जेल में हुई पूछताछ, कस्टडी रिमांड की तैयारी तेज

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। दो आरोपियों की कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद पुलिस ने अब मुख्य आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष यादव से पूरे नेटवर्क और चोरी की रकम के निवेश का राज उगलवाने की तैयारी तेज कर दी है। पुलिस कस्टडी रिमांड लेने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ा रही है। बुधवार देर रात सुभाष श्रीवास्तव और रमाशंकर मिश्रा की कस्टडी रिमांड समाप्त होने के बाद उन्हें दोबारा जिला जेल भेज दिया गया। इसके अगले ही दिन गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे विवेचक एवं सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी टीम के साथ जिला जेल पहुंचे।

नए इनपुट भी पुलिस के हाथ लगे

सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने दोनों आरोपियों से अलग-अलग पहलुओं पर सवाल पूछे और राजस्व विभाग से प्राप्त जमीन संबंधी अभिलेखों का भी मिलान कराया। पूछताछ के दौरान टिन्नू से जुड़ी कुछ जमीनों की जानकारी सामने आई है, जिनका सत्यापन कराया जा रहा है। इसके अलावा चोरी की रकम के निवेश और कुछ अन्य लोगों की संभावित भूमिका से जुड़े नए इनपुट भी पुलिस के हाथ लगे हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि इन तथ्यों के आधार पर टिन्नू और मनीष की कस्टडी रिमांड मिलने पर मामले में कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

दान देने के तरीके में बड़ा बदलाव

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद श्रद्धालुओं की आस्था पर कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन उनके दान देने के तरीके में बड़ा बदलाव जरूर दिखाई देने लगा है। पड़ताल में सामने आया कि अब दानपात्र में पहले की तरह सोने-चांदी के आभूषण और से बातचीत और मौके पर मिली जानकारी इस बदलाव की पुष्टि करती है। कुछ महीने पहले तक मंदिर में ऐसा दृश्य आम था कि श्रद्धालु दर्शन के दौरान भावुक होकर अपनी अंगूठी, चेन, झुमके, बाली, लॉकेट, कंगन, ब्रेसलेट या सोने-चांदी के सिक्के तक दानपात्र में अर्पित कर देते थे।

अब नहीं मिला आभूषण का चढ़ावा

चढ़ावा गणना से जुड़े एक अन्य कर्मी ने बताया कि पहले जब दानपात्र खोले जाते थे तो नोटों के बीच से सोने-चांदी के सिक्के और आभूषण मिलना सामान्य बात थी। अब कई-कई दिनों तक ऐसा कोई चढ़ावा नहीं मिलता। उनका कहना है कि यह बदलाव चोरी की घटना के बाद स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। चढ़ावा चोरी की घटना ने श्रद्धालुओं को यह सोचने पर मजबूर किया है कि भगवान को अर्पित किया जाने वाला उनका चढ़ावा पूरी तरह सुरक्षित हाथों तक पहुंचे।

बारिश के दिनों में श्वसन संबंधी रोग बढ़े | विशेषज्ञों ने दी सलाह-संक्रमण को लेकर घबराएं नहीं, बचाव को लेकर रहें सतर्क

मुंबई में इन्फ्लूएंजा ए, कोविड-19 और एच1एन1 के बढ़े मामले

मुंबई (एजेंसी)

गायक कुमार सानू के हाल ही में कोविड-19 से संक्रमित होकर अस्पताल में भर्ती होने और मुंबई के डॉक्टरों द्वारा इन्फ्लूएंजा ए के असामान्य रूप से अधिक मामलों की जानकारी देने के बाद एक बार फिर श्वसन संबंधी संक्रमण चर्चा में हैं। मुंबई के सर्जन डॉ. अमित थडानी ने हाल में इन्फ्लूएंजा ए के मौजूदा बढ़ते मामलों को लगभग महामारी जैसी स्थिति बताया है। वहीं, शहर के कई अस्पतालों में ऐसे मरीज भी सामने आ रहे हैं जिनकी जांच में कोविड-19 और एच1एन1 संक्रमण की पुष्टि हुई है। हालांकि ये आंकड़े चिंताजनक लग सकते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इस स्थिति में घबराने की नहीं बल्कि जागरूक रहने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार अधिकांश मामलों में संक्रमण हल्का होता है और समय पर इलाज से मरीज पूरी तरह ठीक हो सकते हैं। इसलिए लोगों को अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनानी चाहिए। डॉक्टरों का कहना है कि लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेना सबसे बेहतर उपाय है।

- विशेषज्ञों ने इन्फ्लुएंजा के मौजूदा मामलों को महामारी जैसा बताया
- गायक कुमार सानू हाल ही में हो गए थे कोरोना से संक्रमित
- डॉक्टरों ने कहा समय पर उपचार से ठीक हो सकती है समस्या
- अफवाहों पर नहीं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां अपनाएं

इन लक्षणों को कदापि नजरअंदाज न करें

मुंबई के फोर्टिस अस्पताल, मुलुंड में इंटरनल मेडिसिन की निदेशक डॉ. अनीता मैथ्यू के अनुसार मानसून के मौसम में इन्फ्लूएंजा ए, कोविड-19 और एच1एन1 जैसे श्वसन वायरस संक्रमण अधिक देखने को मिलते हैं। उनका कहना है कि मानसून का मौसम संक्रमण फैलने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है, इसलिए मामलों में बढ़ोतरी सामान्य है। हालांकि, अधिकांश संक्रमण हल्के होते हैं और उचित इलाज तथा पर्याप्त आराम से ठीक हो जाते हैं। डॉ. मैथ्यू के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को बुखार, खांसी, गले में दर्द, शरीर में दर्द, कमजोरी, नाक बंद होना या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई दें तो उन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि ये लक्षण कुछ दिनों तक बने रहें या लगातार गंभीर होते जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से लोगों को स्वयं दवा लेने से बचने की जरूरत है। डॉ. मैथ्यू ने कहा कि बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए, क्योंकि वायरस से होने वाले संक्रमण पर एंटीबायोटिक असर नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि सही जांच और चिकित्सकीय सलाह के आधार पर ही इलाज कराया जाना चाहिए। समय पर उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

मानसून में फैल रहा वायरल कॉकटेल

फरीदाबाद स्थित अमृता अस्पताल के पल्मोनोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप बजाज का कहना है कि इस बार केवल एक वायरस नहीं बल्कि कई वायरस एक साथ फैल रहे हैं। उन्होंने इसे मानसून के दौरान बनने वाला वायरल कॉकटेल बताया है। डॉ. बजाज के अनुसार हर वर्ष मानसून में श्वसन वायरसों को फैलने के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिल जाती हैं। इस समय इन्फ्लूएंजा ए, एच1एन1 और कोविड-19 तीनों वायरस एक साथ सक्रिय हैं। इन तीनों संक्रमणों के लक्षण इतने समान हैं कि केवल लक्षण देखकर यह बताना मुश्किल होता है कि मरीज किस वायरस से संक्रमित है। इन सभी संक्रमणों में बुखार, गले में दर्द, लगातार खांसी, शरीर में दर्द, सिरदर्द, थकान और कभी-कभी दस्त** जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डॉ. बजाज ने कहा कि जिन मरीजों में लक्षण मध्यम या गंभीर हों या जो पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हों, उनके लिए प्रयोगशाला जांच कराना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सही जांच के बाद ही उचित उपचार तय किया जा सकता है। इससे मरीज को समय पर सही इलाज मिलना संभव होता है।

भीड़भाड़ और खराब वेंटिलेशन बढ़ा रहे संक्रमण का खतरा

विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून के दौरान संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी कोई असामान्य बात नहीं है। बारिश के मौसम में लोग लंबे समय तक दफ्तरों, स्कूलों, मॉल और सार्वजनिक परिवहन जैसी भीड़भाड़ वाली बंद जगहों पर रहते हैं। इन स्थानों पर अक्सर वेंटिलेशन पर्याप्त नहीं होता, जिससे वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे बंद वातावरण में वायरस संक्रमित व्यक्ति की बूंदों (ड्रॉपलेट्स) और हवा में मौजूद सूक्ष्म कणों (एरोसोल्स) के माध्यम से आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंच जाते हैं। इसी वजह से मानसून के मौसम में श्वसन संक्रमण के मामलों में तेजी देखी जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि लोग सावधानी बरतें, लक्षण दिखने पर जांच कराएं और समय पर इलाज लें, तो अधिकांश संक्रमणों पर आसानी से काबू पाया जा सकता है।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, 1 की मौत

पुरी। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसे में 100 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे।

यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे, इससे भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। शुरुआती जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति की मौत भीड़ में कुचल जाने के कारण हो गई।

पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद हैं। यात्रा मुख्य मंदिर से 3द्मद्व दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाएगी। अभी तक केवल भगवान बलभद्र का रथ आगे बढ़ा है।

संक्षिप्त समाचार

निर्माण श्रमिकों के आयुष्मान कार्ड हेतु विशेष शिविर 18 तक

सतना। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम सतना क्षेत्र में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सतना जिले में यह शिविर 16 जुलाई से 18 जुलाई तक संजीवनी हॉस्पिटल बगहा में आयोजित होगा। सहायक श्रमायुक्त रीवा संभाग सतना ने बताया कि इस विशेष शिविर का उद्देश्य पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्रदान करना है, जिसके अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को नि :शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

लीनेस क्लब विंध्य ने बच्चों को वितरित किया स्कूल बैग

सतना। लीनेस क्लब विंध्य अध्यक्ष सुषमा गुप्ता के नेतृत्व में दयानंद माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को नि :शुल्क स्कूल बैग वितरित किए गए। इस अवसर पर सचिव काजल श्रीवास्तव ने बच्चों को शिक्षा का महत्व बताते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। विद्यालय परिवार ने लीनेस क्लब विंध्य के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में एरिया ऑफिसर डॉ मनीषा सोई, रेनू सोनी विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे। यह पहल शिक्षा को प्रोत्साहन देने और जरूरतमंद बच्चों का उत्साह बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रही।

अंशिका ने लगातार दूसरी बार किया टॉप

सतना। उपकार हम हैं सोसाइटी की बेटी अंशिका ने एकेएस विश्वविद्यालय में बीए चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक बार फिर गौरव बढ़ाया है। पिछले वर्ष भी अंशिका ने विश्वविद्यालय में टॉप किया था। अंशिका तीसरी कक्षा से ही उपकार हम हैं सोसाइटी में पढ़-लिख रही है। उसकी इस उपलब्धि से पूरे सोसाइटी परिवार में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर अंशिका को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया और उसे उपहार देकर सम्मानित किया। सोसाइटी के सदस्यों ने कहा कि अंशिका की यह सफलता उसकी कड़ी मेहनत, लगन और उपकार हम हैं सोसाइटी के संस्कारों का परिणाम है। सोसाइटी ने अंशिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गुणवत्ता के साथ तेजी से निर्माण पूरा करने के दिए निर्देश

मुख्त्यारगंज ओवर ब्रिज का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नगर संवाददाता ■ सतना

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बुधवार को मुख्तारगंज ओवर ब्रिज का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने ब्रिज की संरचना, उपयोग की जा रही सामग्री तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बिरहुली ओवर ब्रिज का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

घूरडांग विद्यालय में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इसके पश्चात कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घूरडांग का निरीक्षण कर विद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई, पाठ्य सामग्री एवं सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर एसडीएम राहुल सिलाडिया, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

आयुष्मान शिविरों का निरीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के दिए निर्देश

कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस ने बुधवार को शहर के अमौधा सहित अन्य क्षेत्रों में आयोजित आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत लगाए जा रहे शिविरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविरों में उपस्थित हितग्राहियों से सीधे संवाद कर योजना के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली तथा पात्र हितग्राहियों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाये, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को आयुष्मान योजना का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर एसडीएम राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, सहायक श्रमायुक्त संध्या सिंह, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नलिनी शुक्ला, शहरी नोडल अधिकारी डॉ. विनीत गुप्ता, जिला सलाहकार अभिषेक सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बरगी परियोजना ने पकड़ी रफ्तार, सांसद ने निरीक्षण कर परखी नहरों की जमीनी हकीकत

नगर संवाददाता ■ सतना

बरगी परियोजना के माध्यम से नर्मदा का पवित्र जल सतना जिले के किसानों के खेतों तक पहुंचाने की दिशा में तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंचती दिखाई दे रही हैं। बरगी परियोजना की सबसे बड़ी तकनीकी चुनौती रही सुरंग का कार्य पूरा होने के बाद अब पूरा फोकस नहरों के निर्माण, सफाई और शेष अवरोधों को दूर करने पर है।

बुधवार को सतना सांसद गणेश सिंह ने कटनी जिले के कैलवारा से झुकेही, उचेहरा, श्यामनगर और रहिकवारा तक बरगी नहर परियोजना का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि वीरेंद्र द्विवेदी व बरगी परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों का दल भी उनके साथ मौजूद रहा। निरीक्षण के दौरान सांसद ने नहर की वर्तमान स्थिति, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा किसानों तक पानी पहुंचाने में आ रही बाधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि परियोजना का उद्देश्य तभी पूरा माना जाएगा जब नर्मदा का पानी बिना किसी रुकावट के किसानों के खेतों तक पहुंचे। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने और अवरोधों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

जैन महिला मिलन शाखा ने चलाया रेड डॉट अभियान

नगर संवाददाता ■ सतना

जैन महिला मिलन शाखा द्वारा अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद की महत्वपूर्ण कार्य योजना रेड डॉट अभियान पर नियमित बैठक में महिलाओं को संयोजक अर्चना जैन प्रांतीय उपाध्यक्ष, रोशनी जैन संभाग अध्यक्ष ,प्रियंका जैन द्वारा जागरूक किया गया। इस दौरान बताया गया कि यूज्ड पैड का निस्तारण असावधानी से करने पर स्वयं के लिए एवं सफाई कर्मचारियों के लिए भी यह कितना हानिकारक है। उपस्थित बहनों ने आश्वासन दिया कि वह रेड डॉट अभियान के तहत इसका निस्तारण करने के लिए अन्य महिलाओं को भी जागरूक करेंगी।

मुक्तिधाम का होगा कायाकल्प बनेगा श्रद्धांजलि सभा हॉल

नगर संवाददाता ■ सतना

समाजसेवी संस्था सिन्धु विकास समिति द्वारा संत समाज के सानिध्य में जन सहयोग से रीवा रोड स्थित नारायण मुक्तिधाम का नवनिर्माण,विस्तार एवं को जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है बुधवार को महापौर योगेश ताम्रकार व आर्किटेक्ट उत्तम बनर्जी ने अवलोकन किया। इस अवसर पर संरक्षक श्रीचंद मनवानी,मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी,महामंत्री घनश्याम मंघरानी प्रमुख है रूप से उपस्थित रहे। संस्था के महामंत्री घनश्याम मंघरानी ने बताया श्री मुक्तिधाम परिसर में श्रद्धांजलि सभा हॉल के साथ-साथ दोनों मुखाग्नि स्थल का रिनोवेशन

खाली पड़ी भूमि पर पेवर ब्लॉक लगवाने एवं पार्किंग में शेड ,प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य निर्माण कार्य करवावाना प्रस्तावित है जिसका आज अवलोकन किया गया। इस अवसर पर संरक्षक श्रीचंद मनवानी,मनोहर डिगवानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी, घनश्याम मंघरानी, उपाध्याय इंद्रलाल आडवाणी, सहमंत्री गंगाराम सचदेव ,मीडिया प्रभारी अमित कामरानी एवं कई सदस्यगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सांदीपनि विद्यालय बगहा में गुरुपूर्णिमा महोत्सव का आगाज

नगर संवाददाता ■ सतना

शासकीय सांदीपनि उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय बगहा के शिक्षक विनय कुमार कनौजिया ने बताया कि बुधवार को दीप प्रज्वलन के साथ सांदीपनि विद्यालय बगहा में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आगाज किया गया। स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बगहा में गुरु पूर्णिमा महोत्सव पखवाड़े का आगाज मां सरस्वती की पूजा अर्चना दीप प्रज्वलन और सुमधुर वंदना के साथ किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय की छात्राओं गुरु वंदना प्रस्तुत की इसके बाद संदीपनि विद्यालय के प्राचार्य रघुवंश प्रसाद

मिश्रा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग ने जो यह नवाचार प्रारंभ किया है यह बहुत ही प्रशंसनीय है उन्होंने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कहां की जीवन में गुरु ही है जो हमारी अज्ञानता रूपी अंधकार को नष्ट कर ज्ञान रूपी प्रकाश हमें प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रभारी मंजूलता पांडे, कुंदन सिंह, सरस्वती बाला, रजनीकांत, अदित्यनारायन त्रिपाठी, प्रधानाध्यापक सरला गुप्ता, प्रमोद सिंह, रामायण प्रसाद, विवेक पांडे, सुजीत गर्ग, अखिलेश शुक्ला, विनय कनौजिया, धीरेंद्र शर्मा चंद्र कुमार शुक्ला, अरविंद द्विवेदी, श्रवण कुमार सोनी, शिवाकांत मिश्रा समेत विद्यालय का पूरा स्टाफ मौजूद रहा।

नर्सिंग होम्स में आए दिन हो रहे उग्र प्रदर्शन पर आईएमए ने सांसद से जताई चिंता

नगर संवाददाता ■ सतना

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल के नेतृत्व में सतना सांसद माननीय श्री गणेश सिंह से सौजन्य भेंट कर जिले में चिकित्सकों एवं नर्सिंग होम पर बढ़ रही हिंसा और अभद्र व्यवहार की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की। प्रतिनिधि मंडल ने सांसद गणेश सिंह को बताया कि वर्तमान समय में मरीजों के परिजनों एवं असामाजिक तत्वों द्वारा चिकित्सकों और अस्पतालों के साथ हिंसक व्यवहार की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिससे चिकित्सकों में भय एवं असुरक्षा का वातावरण बन रहा है। ऐसी परिस्थितियों में चिकित्सकों के लिए निर्भय होकर अपनी सेवाएं देना कठिन होता जा रहा है। आईएमए ने डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं नर्सिंग होम की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा हिंसा करने वालों के विरुद्ध कठोर एवं त्वरित कार्रवाई की मांग की। सांसद गणेश सिंह ने प्रतिनिधिमंडल

की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सक समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रशासन एवं शासन स्तर पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि डॉक्टर सुरक्षित वातावरण में निर्भय होकर अपनी सेवाएं दे सकें तथा कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाएगा। आईएमए सतना ने सांसद का आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनके आश्वासन से चिकित्सकों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी तथा जिले में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित हो सकेंगी।

ये रहे मौजूद

आई एम ए प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय एडिटर डॉ आर के नेमा, उपाध्यक्ष डॉ विपिन दुबे, सचिव डॉ आलोक खन्ना, डॉ आशीष जैन, डॉ जी पी सिंह, डॉ सुनील अग्रवाल ,डॉ सुनील कारखुर, डॉ कार्तिकेय गुप्ता, डॉ मुदित जैन एवं डॉ संकल्प जैन शामिल रहे।

नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान कन्या महाविद्यालय से निकाली रैली

■ नशा मुक्त समाज के निर्माण का दिया संदेश

नगर संवाददाता ■ सतना

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत बुधवार को शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सतना में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नशा

मुक्ति जनजागरूकता हेतु एक बृहद रैली का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. के. पाण्डेय द्वारा की गई। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में छात्राओं से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशा मुक्ति के प्रति व्यापक जनजागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम का सफल संचालन एवं मार्गदर्शन डॉ. क्षमा त्रिपाठी , अर्पिता सिंह, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया। कायक्रम में प्रोफेसर विक्रम द्विवेदी का सहयोग रहा। रैली को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में स्वयंसेविकाओं शालिनी, वर्षा, काशिश एवं प्रीति का विशेष योगदान रहा। उनकी सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दो दिवसीय मधुर फुहार मेले का आयोजन 17 से

सतना। अंतरराष्ट्रीय संस्था इनरव्हील क्लब की सतना इकाई द्वारा बताया गया कि अगामी 17 व 18 जुलाई को मेला मधुर फुहार का आयोजन किया जाएगा। मेले की को ऑर्डिनेटर विनीता व श्वेता ने बताया कि यह मेला महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर लगाया जाता है और मेले का ये दसवाँ संस्करण है जो विगत दस वर्षों से क्लब द्वारा आयोजित किया जाता है जिसमें सभी वर्ग की महिलाएं आत्मनिर्भरता व जीविकोपार्जन के उद्देश्य से स्टॉल लगाती है और ख्याति व आर्थिक सुदृढ़ता प्राप्त करती है। मेले की इसी उपलब्धि को देखते हुए कटनी, मैहर, जैतवारा, नागौद, वाराणसी से बहने अपने सामान के साथ आती है और हमारा सतना क्लब उन्हें मंच

प्रदान कर उनके क्रय विक्रय में सहयोग प्रदान कर उन्हें सम्मानित भी करता है। तैयारी बैठक के दौरान प्रेसिडेंट सविता गोयल,सेकेट्री नेहा अग्रवाल, जोनल हेड उमा मिश्रा कोआर्डिनेटर श्वेता एवं विनीता अग्रवाल,ट्रेजरार मंजुला सिंह, आई एस ओ जया गुप्ता,एडिटर ममता श्रवण अग्रवाल के अलावा क्लब की अन्य सदस्य बहनें उपस्थित रहीं।

कैरेज एंड बैगन वर्कशाप में गेट मीटिंग कर किया प्रदर्शन

एडीएमई पर कर्मचारियों ने लगाया प्रताड़ना का आरोप

नगर संवाददाता ■ सतना

वेस्ट सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन द्वारा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं उनके निराकरण की मांग को लेकर बुधवार को कैरेज एंड बैगन वर्कशॉप, सतना में गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। उक्त गेट मीटिंग में कर्मचारियों द्वारा आरोप लगाया गया कि एडीएमई अशोक चौरसिया द्वारा बेस्ट सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन से जुड़े कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि बिना उचित कारण चार्जशीट जारी करना, सर्विस रिकॉर्ड खराब करना, मानसिक दबाव बनाना तथा अनुचित प्रशासनिक कार्रवाई करना उनकी कार्यशैली का हिस्सा बन गया

है। कर्मचारियों ने यह भी अवगत कराया है कि एडीएमई अशोक चौरसिया पूर्व में इसी कार्यशाला में एसएसई के पद पर कार्यरत रहे हैं तथा वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के सचिव भी रह चुके हैं। वर्तमान में इसी कार्यस्थल पर एडीएमई के पद पर पदस्थ होने के कारण कर्मचारियों में यह धारणा बन रही है कि वे अपने पद एवं अधिकारों का निष्पक्ष उपयोग नहीं कर रहे हैं।

बना रहे संगठन की सदस्यता लेने का दबाव

कर्मचारियों का आरोप है कि वेस्ट सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है तथा उन्हें यह कहकर दबाव में लिया जाता है कि यदि वे वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ की सदस्यता ग्रहण कर लें तो उनके विरुद्ध जारी चार्जशीट समाप्त कर दी जाएगी एवं अन्य कार्रवाई नहीं की जाएगी। कर्मचारियों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की किसी स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराकर दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में किसी भी कर्मचारी के साथ संगठन के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव न हो। इसके साथ कर्मचारियों ने 13 सूत्रीय मांग पत्रों का ज्ञापन भी सौंपा।

सीएम हेल्प लाइन में 55 फीसदी से कम संतुष्टिपूर्ण निराकरण

मैहर जिले के 35 से अधिक अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

नगर संवाददाता ■ सतना

समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी के निर्देशानुसार सी एम हेल्प लाइन में 55 प्रतिशत से कम संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने वाले 35 से अधिक विभागीय अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

जिन अधिकारियों को नोटिस जारी की गई है उसमें सीईओ जिला पंचायत सतना, सीईओ जनपद पंचायत अमरपाटन मैहर रामनगर, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, जल संसाधन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मैहर , अमरपाटन, रामनगर, तहसीलदार मैहर ,अमरपाटन ,रामनगर,सहायक श्रम आयुक्त सतना, उप संचालक सामाजिक न्याय ,जिला योजना अधिकारी, जिला प्रबंधक नॉन, जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, डी पी सी, खनिज अधिकारी, उप संचालक कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग,जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग, सहायक आयुक्त आबकारी , ए आर टी ओ, अधीक्षण यंत्री ऊर्जा , नवकरणीय ऊर्जा , मुख्य नगर पालिका अधिकारी मैहर ,अमरपाटन, रामनगर, मुख्यमंत्री चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सतना, जिला कार्यक्र म अधिकारी महिला बाल विकास मैहर के नाम शामिल हैं।

प्रिया सिंह बनीं उत्तरप्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर

सतना। प्रिया सिंह ने उत्तरप्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर पद पर चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। शहर के मारुति नगर, शारदा कॉलोनी निवासी प्रिया सिंह ने महिला एवं बाल

विकास विभाग, सतना द्वारा बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत संचालित सशक्त वाहिनी अभियान की नि :शुल्क कोचिंग का लाभ लेकर यह उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। प्रिया ने उत्तरप्रदेश पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में कुल 4,543 सफल अभ्यर्थियों के बीच ओवर ऑल 379वीं रैंक तथा गर्ल्स कैटेगरी में 28वीं रैंक प्राप्त की। प्रिया के पिता राजभान सिंह प्रॉपर्टी डीलर हैं, जबकि माता संतोष सिंह गृहिणी हैं। प्रिया ने अपनी सफलता का श्रेय प्रिया ने सशक्त वाहिनी अभियान की नि :शुल्क कोचिंग, माता-पिता और अपने तीनों भाइयोंनागेंद्र सिंह, शैलेंद्र सिंह एवं सुखेंद्र सिंहके निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन को दिया है।

संक्षिप्त समाचार

खाद के लिए होगी 24 घंटे की भूख हड़ताल

रीवा। किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने खाद वितरण के लिए लागू की गई की टोकन प्रणाली में सुधार कर तकनीकी समस्या का समाधान करने बाजार में मिल रहे नकली बीज के बिक्री रोकने के ठोस उपाय करने खेती के लिए डीजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा बिजली समस्या का समाधान करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एवं किसान सभा द्वारा 16 जुलाई को करहिया मंडी प्रांगण में 24 घंटे की भूख हड़ताल शुरू की जाएगी भूख हड़ताल में पार्टी एवं किसान सभा के पदाधिकारी बैठेंगे यह भूख हड़ताल 17 जुलाई को ज्ञापन देकर समाप्त की जाएगी मांकपा जिला सचिव अमित सोहगौरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इसी तरह की भूख हड़ताल सिमरिया तहसील कार्यलय एवं अतरैला समिति के समक्ष भी शुरू होगी। उन्होंने जारी विज्ञप्ति में सभी पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी एवं किसानों से इस आंदोलन में बड़ी संख्या में भागीदारी करने की अपील की है।

प्रधान आरक्षक विनोद बने एएसआई, थाना प्रभारी ने कंधों पर लगाए स्टार

रामबाग। पुलिस विभाग में वर्षों की सेवा, मेहनत और समर्पण के बाद पदोन्नति का क्षण किसी भी पुलिसकर्मी और उसके परिवार के लिए गर्व का अवसर होता है। इसी क्रम में अतरैला थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक विनोद चतुर्वेदी को पदोन्नत कर सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) बनाया गया। इस अवसर पर अतरैला थाना प्रभारी विजय सिंह परिहार ने विनोद चतुर्वेदी के कंधों पर एएसआई के स्टार लगाकर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पदोन्नति समारोह के दौरान थाना स्टाफ ने भी उनका स्वागत करते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। समारोह में उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी एएसआई विनोद चतुर्वेदी को शुभकामनाएं देते हुए उनके अनुभव और कार्यशैली की सराहना की।

रीवा। मुख्यमंत्री निवास, भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से विन्ध्य विकास प्राधिकरण टीम (डॉ. पंचू लाल प्रजापति अध्यक्ष विन्ध्य विकास प्राधिकरण, डॉ अजय सिंह उपाध्यक्ष विन्ध्य विकास प्राधिकरण एवं संजय तीर्थवानी उपाध्यक्ष विन्ध्य विकास प्राधिकरण)के साथ सौजन्य मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री से विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास, प्रगति और विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन हेतु चर्चा की गयी।

मणि प्रसाद ने लाल खान पर लगाया जान से मारने का आरोप

■ सोहागी थाने में दर्ज करायी शिकायत

नगर संवाददाता ■ रीवा

सोहागी थाना क्षेत्र के बारीकला गांव निवासी मणि प्रसाद चतुर्वेदी ने थाने पहुंचकर शिकायती आवेदन देते हुए क्षेत्र के ही मोहम्मद इस्लाम उर्फ लाल खान के ऊपर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। अपने शिकायती पत्र में मणि प्रसाद ने बताया कि 10 जुलाई 26 को लल्ला खान को फोन कर कहा गया कि जो मेरा घोपा ले गये हों उसे लौटा दो,जिस पर उसने फोन पर ही गाली गलौच करते हुए कहा कि मैं तुम्हारा घोपा नही लौटाऊंगा, साथ ही उसने कहा कि मैं तुम्हारे बेटे सहित परिवार के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर खत्म कर दूंगा। लल्ला खान की धमकी के बाद पूरे घर में दहशत का माहौल है। पीड़ित ने फरियाद कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार करने की मांग की है।

अलंकरण समारोह में मॉडल स्कूल के होनहारों का स्वर्ण पदक से सम्मान

नगर संवाददाता ■ रीवा

विंध्य क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान रखने वाले मॉडल स्कूल रीवा के 13 होनहार छात्रों का स्वर्ण एवं रजत पदक से सम्मान किया गया। ये वही छात्र हैं जिन्होंने प्रदेश एवं जिले के अंदर अपनी योग्यता का परचम लहराया है। शनिवार के दिन मॉडल स्कूल आडिटोरियम में गुरू प्रसाद श्रीवास्तव सेवा संस्थान के बैनरतले कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीरज खरे माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के कार्यकारी सदस्य रहे,अध्यक्षता गुरू प्रसाद श्रीवास्तव सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ.अनिल श्रीवास्तव ने की,विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यनारायण दुबे सेवानिवृत्त जीएम भारतीय रेलवे,पियूष तिवारी एमडी इंडियन टूरिजम्म डिपार्टमेन्ट भारत सरकार,पीएल मिश्रा डीईओ रीवा,महेश कुमार तिवारी संभागीय अधिकारी माध्यमिक शिक्षा मण्डल एवं प्राचार्य मॉडल स्कूल,पंकज शर्मा पूर्व प्राचार्य मॉडल स्कूल मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन एवं प्रार्थना गीत के साथ हुआ। इस दौरान डॉ.अनिल श्रीवास्तव ने प्रदेश एवं जिले के प्रवीण्य सूची में अपना स्थान बनाने वाले मॉडल स्कूल रीवा के छात्र एवं छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता रखते हुए कहा कि मॉडल स्कूल रीवा के उन छात्रों का प्रति वर्ष गोल्ड मेडल से सम्मान किया जायेगा जो प्रदेश की प्रवीण्य सूची में अपना स्थान बनायेंगे। विद्यालय प्राचार्य महेश कुमार तिवारी ने अपना उद्बोधन वीर रस से युक्त कविता ''दोनों ओर लिखा हो भारत शिक्षा वहीं उझाला जाय,तू भी है राणा का वंशज फेक जहॉ तक भाला जाए''के साथ प्रारंभ किया। उन्होंने मॉडल स्कूल के वर्तमान स्वर्णिम परिदृश्य को सामने रखा। मंच का सफल संचालन विमलेश द्विवेदी द्वारा किया गया।

इन छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 12वीं में प्रदेश के टॉपटेन सूची में जगह बनाने वाली छात्रा साक्षी मिश्रा,उमा सोनी एवं ईसान पाठक तथा कक्षा 10वीं की प्रदेश प्रवीण्य सूची में स्थान बनाने वालीं छात्रा अनामिका तिवारी,छात्र शिवा शुक्ला एवं अनुराग तिवारी को गोल्ड मेडल एवं 2100 रूपये से सम्मानित किया गया। इसी के साथ जिलास्तर पर कक्षा 12वीं एवं 10वीं में अपना स्थान बनाने वाले राहुल प्रजापति,देवात्मा मिश्रा,स्नेहा तिवारी,विराज पटेल,नैना पटेल एवं खुशी द्विवेदी को रजत पदक एवं 1100 रूपये से सम्मानित किया गया।

नेत्रहीन व मूक-बधिर विद्यालयों में नवीन सभागार का लोकार्पण

■ भवन जीर्णोद्धार व पार्क निर्माण के महापौर ने दिए निर्देश

नगर संवाददाता ■ रीवा

नगर पालिक निगम रीवा के वार्ड क्रमांक 44 स्थित नेत्रहीन विद्यालय एवं मूक-बधिर विद्यालय में निर्मित नवीन सभागार का लोकार्पण बुधवार को महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य एवं पार्षद श्रीमती नजमा बेगम ने फीता काटकर तथा विद्यालय के अधीक्षक शंकर प्रसाद मिश्रा ने नारियल फोड़कर नवीन सभागार का शुभारंभ किया। लोकार्पण समारोह में एमआईसी सदस्य एवं पार्षद रवि तिवारी, विद्यालय समिति के अध्यक्ष देवेंद्र शास्त्री, कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह, सहायक यंत्री पीएन शुक्ला,अभिनव चतुर्वेदी, प्राचार्य राम उदय तिवारी, पूर्व प्राचार्य ददोली प्रसाद मिश्रा सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय का स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने कहा कि नेत्रहीन एवं मूक-बधिर विद्यालय समाज के लिए प्रेरणा के केंद्र हैं और नगर निगम इनके विकास एवं आवश्यक सुविधाओं के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि श्री शास्त्री जी के संकल्प से स्थापित संभाग का यह अनूठा संस्थान विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है, जिस पर पूरे शहर को गर्व है। इसके साथ ही महापौर ने कार्यपालन यंत्री को दोनों विद्यालयों के भवनों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर शीघ्र निविदा प्रक्रिया प्रारंभ करने सहित विद्यालय परिसर में पार्क विकसित करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों ने दी आकर्षक सांस्कृति प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान नेत्रहीन विद्यालय के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर उपस्थित जनों का मन मोह लिया। विद्यालय समिति के अध्यक्ष देवेंद्र शास्त्री ने महापौर एवं नगर निगम द्वारा विद्यालय के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 44 स्थित नेत्रहीन विद्यालय में 42.36 लाख रुपये तथा मूक-बधिर विद्यालय में भी 42.36 लाख रुपये की लागत से नवीन सभागार का निर्माण कराया गया है। दोनों निर्माण कार्यों पर कुल लगभग 84.72 लाख रुपये व्यय किए गए हैं।

निर्माणाधीन रोटरी के सौन्दर्यीकरण कार्य का महापौर ने लिया जायजा

सुचारु रूप से जाली नही लगाये जाने पर ठेकेदार को लगायी फटकार

नगर संवाददाता ■ रीवा

महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करते हुए बुधवार को पुलिस पेट्रोल पंप एसएएफ चौराहे पर निर्माणाधीन रोटरी के सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, सौंदर्यीकरण एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित ठेकेदार को निर्धारित समयावधि में कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही, चौराहे के चारों ओर मीडियन पर लगाई जा रही लोहे की जाली कुछ स्थानों पर एक समान स्तर पर नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित ठेकेदार को फटकार लगाते हुए निर्देशित किया कि पूरी जाली को एक ही स्तर पर स्थापित किया जाए, ताकि डिवाइडर आकर्षक एवं समरूप दिखाई दे। महापौर ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही पूर्ण किए जाएं। इसके उपरांत महापौर बाबा ने गुढ़ चौराहे के समीप स्थित ऐतिहासिक अजब कुंवरी की बावड़ी परिसर में विकसित किए गए पार्क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पार्क परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, भ्रमण के दौरान एमआईसी सदस्य पार्षद नजमा बेगम,रवि तिवारी कार्यपालन यंत्री सिद्धार्थ सिंह सहायक यंत्री पीएन शुक्ला, अभिनव चतुर्वेदी एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बालभारती विद्यालय में पीएन पाणिक्कर नेशनल रीडिंग-डे का हुआ आयोजन

नगर संवाददाता ■ रीवा

15 जुलाई को बाल भारती विद्यालय, रीवा में पी. एन. पाणिक्कर नेशनल रीडिंग डे उत्साह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करना, भाषा दक्षता बढ़ाना तथा आजीवन सीखने की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक एवं प्राचार्य द्वारा पी. एन. पाणिक्कर के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया तथा निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि'पुस्तकें केवल ज्ञान नही देतीं, वे सोचने, समझने और बेहतर इंसान बनने की दिशा भी दिखाती हैं'नियमित पुस्तक पठन-पाठन विद्यार्थियों के बौद्धिक, भाषाई एवं रचनात्मक विकास एवं दक्षता का सशक्तमाध्यम है तथा सीबीएसई द्वारा विद्यार्थियों में पठन-पाठन की संस्कृति को विकसित करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इस अवसर पर विद्यालय में सामूहिक वाचन, पुस्तक समीक्षा, कहानी वाचन, प्रेरक पुस्तकों का पठन, पुस्तक प्रदर्शनी, रीडिंग सर्किल तथा'प्रतिदिन पढ़ें, निरंतर सीखें' विषय पर पठन-पाठन संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्राथमिक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ सिरमौर चौक, तानसेन काम्पलेक्स, समदड़िया गोल्ड, गोयल मार्केट से होते हुए बालभारती परिसर में सामूहिक रैली निकालकर आसपास के लोगों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया तथा अपनी पसंदीदा पुस्तकों एवं लेखकों के बारे में विचार साझा किया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट सहभागिता करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सोने की झाड़ू से रास्ता बुहारते हुए भगवान जगन्नाथ को स्टेज तक पहुंचाएंगे

नगर संवाददाता ■ रीवा

रात्रि 8 से 9 बजे के बीच भगवान जगन्नाथ जब मानस भवन पहुंचेंगे तो मानस भवन में भगवान का भव्य स्वागत किया जाएगा। आरती माल्यार्पण पूजन के साथ विद्वान ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन करते हुए सांकेतिक सोने की झाड़ू से जमीन को बुहार्ते हुए मानस भवन के पदाधिकारी स्टेज में भगवान को पधारेंग। मानस भवन में उपस्थित जन समुदाय भगवान की आरती पूजन कर दर्शन प्राप्त करेंगे प्रसाद वितरण के साथ रात्रि में भगवान का विश्राम होगा। 17 तारीख को प्रातः 8 बजे भगवान का पूजन होगा,भोग लगेगा ,दोपहर 12 से खिचड़ी कढ़ी मालपुआ का महाप्रसाद भगवान को भोग लगाकर हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तजन शाम 5 तक प्रसाद प्राप्त करेंगे।

बाबा कल्याणदास महराज को दिया गया आमंत्रण

रीवा चिन्मय आश्रम में पधारे बाबा कल्याण दास जी महाराज अमरकंटक को भगवान जगन्नाथ स्वामी जी की रथयात्रा विश्राम पर मानस भवन पधारने का निमंत्रण सुभाष बाबू पांडे अध्यक्ष मानस मंडल रीवा द्वारा दिया गया। महाराज जी आमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा कि अमरकंटक पहुंचना आवश्यक है, मैं मानस भवन अवश्य आऊंगा।

शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरकर दिया आमजन को संदेश

जन जागरूकता रैली के साथ शुरू हुआ नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान

नगर संवाददाता ■ रीवा

मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत बुधवार को पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक डॉ.गुरकरन सिंह के नेतृत्व में शहर में विशाल जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) शहर के समस्त थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली का शुभारंभ पुलिस कंट्रोल रूम से किया गया। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सहभागिता का संदेश दिया। इस दौरान नागरिकों को नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं युवाओं को नशे की लत से बचाने तथा अवैध मादक पदार्थों के सेवनए बिक्री एवं तस्करी की जानकारी तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। रैली के दौरान समाजसेवी संस्थाओं के द्वारा नुक्कड नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए नशे से दूर रहनें का संदेश दिया गया।

समाज को नशामुक्त बनाने का जन आंदोलन:एसपी गुरूकरन

पुलिस अधीक्षक रीवा ने कहा कि नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि समाज को नशामुक्त बनाने का जन आंदोलन है। युवाओं को नशे जैसी बुराई से बचाकर शिक्षा, खेल, रोजगार एवं सकारात्मक गतिविधियों से जोडऩा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने एवं नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने का आह्वान किया एवं रैली में सम्मिलित पुलिस बल एवं आम जन को नशे से दूर रहने की सपथ भी दिलाई गई। रीवा पुलिस द्वारा अभियान के तहत विद्यालयों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही अवैध मादक पदार्थों के कारोबार एवं तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। पुलिस आमजन से अपील करती है कि नशे को न कहें, अपने परिवार और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की नशे से संबंधित अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

महसांव स्कूल में शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

नगर संवाददाता ■ रीवा

जन शिक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महसाव रीवा के प्राचार्य राजकुमार सिंह के निर्देशन में शासकीय माध्यमिक विद्यालय कन्या महसाव में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि ऐसे वयस्क, जिन्हें साक्षरता का कोई प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं है अथवा जिनका बुनियादी शिक्षा से जुड़ाव अधूरा है, उन्हें कार्यक्रम के माध्यम से साक्षर बनाकर प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही इच्छुक शिक्षार्थियों को आगे की पढ़ाई जारी रखने और कक्षा पांचवीं स्तर की परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर भी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षण में जन शिक्षक रामकृष्ण द्विवेदी एवं विशाल शुक्ला ने कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने ''सामाजिक चेतना केंद्र'' एवं ''अध्ययन केंद्र'' की भूमिका और उनके प्रभावी संचालन के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक भास्कर दत्त त्रिपाठी, श्रीमती ललिता पटेल, अंजू नामदेव संबंधित विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़

मोबाइल चलाने में व्यस्त शिक्षिका, घूम रहे छात्र, पूछने पर नहीं बना पहाड़ा, वीडियो वायरल

नगर संवाददाता ■ रीवा

रीवा जिले के सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था किस स्तर तक गिर रही है,इसका नुमाया विद्यालयों में घूमते फिरते बेपरवाह बच्चों को देख के लगाया जा सकता है। खासकर प्राथमिक स्कूलों की स्थिति अत्यन्त दयनीय है। सोशल मीडिया में वायरल एक वीडियो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। वायरल वीडियों में बच्चे दरी में बैठे गपसप कर रहे हैं और कुछ दूर पर बैठी शिक्षिका मोबाइल चला रही हैं। संभवतः यह प्राथमिक स्तर की स्कूल बतायी जा रही है। वहॉ मौजूद एक युवक मैडम के पठन पाठन कार्य पर सवाल खड़े करते हुए देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने की बात कह रहा है। जिस पर मैडम द्वारा यह कहते हुए अपना पल्ला झाड़ रही हैं कि हमे पता है कि तुम यहॉ राजनीति करने आये हों। वायरल वीडियो में एक बच्चे कुछ पहाड़ा एवं सवाल पूछे गये जिसका जबाव वह नही दे पाया। जिले के अंदर इस तरह के स्कूलों की संख्या अत्यधिक है,जहॉ सिर्फ टीचर टाइम पास करने आते हैं। बच्चे पढ़े या न पढ़े इनका इससे कोई सरोकार नही रहता।

संपादकीय

शोहरत की सजा

हिमाचल में पुलिस के एक अधिकारी और मध्यप्रदेश में एक ट्रैफिक हवलदार का निलंबन चकित करता है। एक पुलिस अधिकारी या ट्रैफिक हवलदार के मशहूर होने के कारणों में कानून-व्यवस्था का पैमाना हो सकता है, लेकिन यहां जिस इंस्पेक्टर और ट्रैफिक हवलदार का जिक्र हो रहा है, उनमें से एक म्यूजिक की शब्दावली में बैंड मास्टर है जिसके कंधों पर वर्दी का गौरव और सर्विस रूल्स की फाइल लटक रही है। तो दूसरा यातायात जागरुकता फैलाने के मामले में रील बनाने से मिली शोहरत का शिकार हो गया।

शौर्य, सूरत और सीरत में यहां यह मामला इतना भी आसान नहीं कि सोशल मीडिया में तू तू-मैं मैं से हल निकल आए या निर्णायक वोटिंग हो जाए। सरकारी नौकरी के नियम व वर्दी के सिद्धांत इतने भी नाजुक नहीं कि पुलिस बैंड को मात्र गवैया मान लें। यहां पूरी की पूरी हिमाचल पुलिस ने इस बैंड का प्रतिनिधित्व किया और इसलिए 'हुनरबाजी' के शो में एक राज्य की वर्दी जीती थी। महफिल भले ही बैंड ने लूटी हो, लेकिन वहां मिला हर सलाम वर्दी के लिए और वर्दी के हित में था। इसलिए विजय कुमार को मिली शोहरत उसकी निजी उपलब्धि नहीं थी। जब तक शरीर पर वर्दी और वर्दी की पॉकेट में सरकारी पगार है, उसके जीवन की मर्यादाएं, शगल, शगुन और परंपराएं सरकारी दिशा-निर्देश से ही चलेंगी। ऐसे में आरोपों की खारिश तो भुगतनी ही पड़ेगी। सिविल सर्विस रूल्स उनके लिए इतने तीखे-इतने कांटेदार क्यों हुए, उसके ऊपर जांच ही कोई फैसला ले सकती है, फिर भी सोशल मीडिया के हमाम में कई वरिष्ठ अधिकारी भी अगर नापाक हुए हैं, तो कार्रवाइयों की ईमानदारी दोहरा व्यवहार नहीं कर सकती।

वहीं मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में ट्रैफिक हवलदार विवेकानंद का निलंबन सोशल मीडिया में उनके करोड़ों फैन्स को खल रही है। दुखी मन से विवेकानंद ने नौकरी से इस्तीफा भी दे दिया है। हालांकि उनके इस्तीफे पर विभाग ने अभी तक कोई विचार नहीं किया, परंतु उनकी सोशल मीडिया से होने वाली आय की जांच जरूर खड़ी कर दी है। वैसे तो कुछ प्रशासनिक अधिकारियों को भी नैतिकता और सेवा शर्तों का उल्लंघन करते देखा गया है, तो ये चैप्टर्स भी देखे जाने चाहिए, ताकि सनद रहे। सार्वजनिक क्षेत्र के तहत सोशल मीडिया की फिजूलखर्ची का यह अदब है कि कई अध्यापक, साधारण कर्मचारी, मातहत अनुशासित परंपराएं भूल रहे हैं।

कर्मचारियों-कर्मचारियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और अधिकारियों-अधिकारियों के बीच सोशल मीडिया का खेल बेजा है। सोशल मीडिया के पाप भयंकर शक्ल अख्तियार न करें, इसके लिए देश-प्रदेश ही नहीं, समाज को भी नैतिक उच्चारण करना पड़ेगा। हम न तो विजय कुमार पर की गई कार्रवाई को श्रेष्ठ मानते हैं और न ही उनके आचरण को बरी करते हैं, फिर भी सबक लेने की गुजारिश करेंगे। ऐसे मामलों में देश का कानून भी परिपक्व नहीं हुआ है। अभी अरुणाचल प्रदेश में यौन उत्पीड़न के मामले में स्कूल के शिक्षक वर्ग की शामत आई है, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अब सोच यह है कि 13 साल आयु तक के बच्चे सोशल मीडिया ज्वाइन नहीं कर सकते। ऐसे में वे अभिभावक भी दोषी हैं जो दुधमुंहे बच्चे के हाथों में मोबाइल थमा कर अपने फर्ज की इतिश्री कर रहे हैं। जहां तक हिमाचल का प्रश्न है, ऐसे सबक का यथार्थ तब सिद्ध होगा, अगर सरकारी क्षेत्र के तमाम हथकंडे सोशल मीडिया की सतह से दूर रखे जाएं।

बाबू जगमोहन दासः इतिहास के सम्मानित स्तंभ

बाबू जगमोहन दास जबलपुर और मध्य प्रदेश के इतिहास के एक अत्यंत प्रतिष्ठित और सम्मानित स्तंभ रहे हैं। उनका पूरा जीवन जनकल्याण, शिक्षा के प्रसार और देश सेवा को समर्पित था। उन्होंने अविभाजित मध्य प्रदेश की आरंग विधानसभा सीट से वर्ष 1957 और 1962 के आम चुनावों में भारी मतों से जीत हासिल की और विधानसभा में क्षेत्र की जनता की आवाज उठाई। अपनी प्रशासनिक क्षमता और लोकप्रियता के कारण वे मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री के पद पर भी रहे। इस दौरान उन्होंने राज्य के विकास और कल्याणकारी नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल के दौरान जबलपुर में कई विकास कार्य हुए। उन्हें संस्कारधानी जबलपुर को शिक्षा की राजधानी के रूप में विकसित करने की दिशा में एक प्रमुख दूरदर्शी माना जाता है। 1959 में जबलपुर में प्रदेशस्तरीय युवक कांग्रेस का सम्मेलन आयोजित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे शीर्ष नेताओं को जबलपुर लाने का श्रेय भी उन्हें जाता है। जबलपुर के एल्गिन अस्पताल (रानी दुर्गावती अस्पताल) चौराहे पर उनकी प्रतिमा स्थित है, जहाँ प्रतिवर्ष उनका स्मृति दिवस आयोजित किया जाता है। हर साल उनके स्मृति दिवस पर शहर के प्रबुद्ध नागरिक और राजनेता उनके योगदान को याद कर सामाजिक समरसता की शपथ लेते हैं। उनकी स्मृति को जीवंत रखने के लिए रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर में अंग्रेजी साहित्य में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले होनहार छात्रों को प्रतिवर्ष बाबू जगमोहन दास स्मृति स्वर्ण पदक से नवाजा जाता है।

1957-1967 का कालखंड बाबू जगमोहन दास के जीवन का स्वर्ण युग था, जहां उन्होंने एक कुशल संगठनकर्ता से लेकर मध्य प्रदेश सरकार के एक प्रभावी कैबिनेट मंत्री के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी। इसी दौर में किए गए कार्यों के कारण आज भी जबलपुर और संपूर्ण मध्य प्रदेश में उन्हें एक बेहद शालीन और विकासपरक राजनेता के रूप में याद किया जाता है। वर्ष 1957 से 1967 के बीच का दशक बाबू जगमोहन दास के राजनीतिक करियर का सबसे महत्वपूर्ण समय इसलिए माना जाता है क्योंकि यह वह समय था जब आज के छत्तीसगढ़ राज्य सहित अविभाजित मध्य प्रदेश का गठन (1956) नया-नया हुआ था और राज्य अपनी राजनीतिक व प्रशासनिक दिशा तय कर रहा था। इस विशिष्ट कालखंड की मुख्य राजनीतिक विशेषताएं और घटनाएं इस प्रकार हैं–

1. पहली बार विधानसभा प्रवेश और बड़ी जीत (1957)

1956 में नए मध्य प्रदेश के गठन के बाद वर्ष 1957 में राज्य के पहले विधानसभा चुनाव हुए। बाबू जगमोहन दास ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर आरंग विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा और शानदार जीत दर्ज की। आरंग क्षेत्र वर्तमान में छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले का हिस्सा है, लेकिन उस समय यह अविभाजित मध्य प्रदेश का एक प्रमुख राजनीतिक केंद्र था।

2. मंत्री का कार्यकाल (1961-1962)

अपनी प्रशासनिक पकड़ और जमीनी स्तर पर लोकप्रियता के कारण वे राज्य सरकार के शीर्ष नेतृत्व की पसंद बने। इस कालखंड में (विशेषकर 1961 के दौरान) उन्होंने मध्य प्रदेश के स्थानीय स्वशासन मंत्री और उप-मंत्री के रूप में कार्य किया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने नवगठित मध्य प्रदेश में नगर निकायों, स्थानीय पंचायतों और बुनियादी ढांचे से जुड़े कानूनों को आकार देने में अहम भूमिका निभाई। नेहरू युग के इस दौर में स्थानीय निकायों को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता थी।

3. लगातार दूसरी जीत (1962)

वर्ष 1962 के अगले विधानसभा चुनावों में उन्होंने अपनी लोकप्रियता को साबित करते हुए आरंग सीट से दोबारा जीत हासिल की। हालांकि उन्होंने चुनाव आरंग से लड़ा था, लेकिन उनका मुख्य राजनीतिक और पारिवारिक आधार जबलपुर (महाकौशल) ही था। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. कैलाश नाथ काटजू और बाद में पंडित द्वारका प्रसाद मिश्रा (डी.पी. मिश्रा) के कार्यकाल के दौरान महाकौशल क्षेत्र की राजनीति को अत्यधिक प्रभावित किया।

- राजेन्द्र मिश्रा

विरलतम व्यक्तित्व: जयंती ही उनकी पुण्यतिथि

राष्ट्र के प्रख्यात साहित्यकार व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पद्मभूषण डॉ. गोविन्ददास जी के कनिष्ठ सुपुत्र जगमोहनदास जी का जन्म 16 जुलाई 1923 को जबलपुर में हुआ था। प्रारंभ से ही एक मेधावी छात्र के रुप में आपको जाना जाता था, आपने नागपुर विश्वविद्यालय से कला एवं विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उनकी प्रतिभा का परिचय उनके विद्यार्थी काल से ही मिलने लगा था। बाबू जगमोहनदास जी ने सन् 1946 में कांग्रेस में प्रवेश किया और उसी साल राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की प्रथम कार्यकारिणी के सदस्य हुए। साथ ही ऑर्गनाइजिंग जनरल सेक्रेटरी भी हुए। 1952 को प्रथम आम चुनाव में मध्यप्रदेश विधानसभा के कांग्रेस कार्यकारिणी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य भी निर्वाचित हुए। आपकी क्षमता व कुशाग्र बुद्धि तथा लोकप्रियता को देखते हुए आपको मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल ने अपने मंत्रीमंडल मे उप-शिक्षामंत्री का पद प्रदान किया। आपने उस काल में जबलपुर विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज तथा होम साइंस कॉलेज आदि महत्वपूर्ण योजनाओं को मूर्तरूप दिया तथा 14 वर्ष की आयु तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा की योजना भी अपने कार्यकाल में लागू की। इसी प्रकार किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए 20 एकड़ से कम जमीन वाले किसानों के परिवार के बच्चों को भी निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान किया। इनकी योग्यता कर्मठता को देखते हुए आपको राजस्व उपमंत्री का पद सौंपा गया। अपने कार्यकाल में आपको केबिनेट स्तर का मंत्री पद दिया गया तथा पंचायतराज, सहकारिता तथा स्वायत्त शासन विभाग भी जनमोहनदास जी को सौंपे गए। मध्यप्रदेश में पंचायतीराज की कल्पना उनके अथक प्रयास से ही साकार हुई, जो सम्पूर्ण देश में आदर्श अनुकरणीय सिद्ध हुई। जगमोहनदास जी एक सरल हृदय व जन पीड़ा का अनुभव करने वाले लगनशील तथा कर्मठ व्यक्ति थे। आपकी ख्याति व लोकप्रियता अतुलनीय थी। वैभवशील जीवन का परित्याग कर जनसेवा का बीड़ा उठाने वाले व्यक्ति कम ही होते है। देश की सेवा के साथ जनसेवा व परोपकार के कार्यों को करते हुए 16 जुलाई 1964 को अपने जन्म दिवस के दिन ही इस महान संतरुपी व्यक्ति ने अपने प्राणों का त्याग कर इस संसार से विदा ली।

जलतंत्र में डूबता-उतराता लोकतंत्र

प्रकृति और हमारी व्यवस्था की साझेदारी ने जलजमाव और बाढ़ को एक ऐसे वार्षिक महोत्सव का दर्जा दे दिया है, जिसका इंतज़ार कुछ लोग डर से और कुछ अवसर की तलाश में करते हैं। बरसात आते ही आम आदमी की ज़िंदगी पानी में बहने लगती है और नेताओं की संवेदनाएं हेलीकॉप्टर के साथ उड़ान भरने लगती हैं। उधर वीआईपी आवासों में गर्मा-गर्म पकौड़े छनते हैं, इधर जलमग्न इलाकों में लोग राहत सामग्री की आस में भीगते रहते हैं। चुनाव प्रचार के बाद हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण का यह दूसरा सबसे बड़ा अवसर होता है। ऊपर से बाढ़ का मंजर दिखाई देता है और नीचे पीड़ितों को आश्वासनों की बारिश। नगर निगम शर्म से और नेता निष्कर्म से पानी-पानी हो जाते हैं। निकासी के अभाव में जलजमाव अथवा तटबंध कटाव के कारण सैलाब की बनी स्थिति मीडिया के लिए किसी त्योहार से कम नहीं। कैमरे पानी में डूबे घरों से ज़्यादा उन रिपोर्टरों को दिखाते हैं जो घुटनों तक पानी में खड़े होकर 'स्थिति भयावह है' का सीधा प्रसारण करते हैं। विपक्ष भी वर्षभर की शीतनिद्रा छोड़कर बांध, कटाव और राहत को लेकर ऐसी गर्जना करता है, मानो उसके भाषण से ही नदियां दिशा बदल लेंगी। जलराशि अथवा बाढ़ अपने साथ केवल पानी नहीं, अवसर भी लाती है। जलकुंभी की तरह स्वयंसेवी संस्थाएं और मौसमी समाजसेवी उग आते हैं। दो किलो चूड़ा-गुड़ बांटकर दर्जनों सेल्फियां खिंचवाते हैं और सोशल मीडिया पर स्वयं को आधुनिक दानवीर कर्ण घोषित कर देते हैं। अधिकारी राहत योजनाओं की फाइलों में आंकड़ों का ऐसा तैराकी प्रदर्शन करते हैं कि कागज़ पर पूरा इलाका राहत से सराबोर दिखाई देता है। हर घर नल-जल योजना जहां नहीं पहुंच पाती, वहां बाढ़ बिना किसी सरकारी आदेश के पानी पहुंचा देती है। टूटी सड़कें प्राकृतिक स्विमिंग पूल बन जाती हैं और बच्चे मुफ्त के वाटर पार्क का आनंद लेने लगते हैं। हमारी आस्थावान जनता नदियों को 'मैया' कहती है, इसलिए शायद मैया भी हर वर्ष बिना निमंत्रण घर-घर दर्शन देने चली आती हैं। दूसरे शब्दों में कहें, तो हमारे यहां बाढ़ या जल जमाव अब प्राकृतिक आपदा कम और लोकतांत्रिक परंपरा अधिक बन चुकी है। ऐसे में इनका स्थायी समाधान खोजने की बात बेमानी सी लगती है। आखिर हवाई सर्वेक्षण, राहत पैकेज, प्रेस कॉन्फ़्रेंस, फोटोशूट और मौसमी समाजसेवा के इस वार्षिक महोत्सव की परंपरा टूट गई, तो फिर बाढ़ का 'लोकतांत्रिक लाभ' कौन उठाएगा?

मानसून में पौधारोपण और भ्रष्टाचार की जड़

मानसूनी फुहार के साथ पौधारोपण का दौर चल पड़ता है। लोग पौधे हाथ में लिए सेल्फ़ी खिंचाने को उतावले हो जाते हैं। हालांकि, पौधारोपण के लिए मौसम की दरकार नहीं होती। सरकारी महकमों में पौधारोपण की पुरानी परम्परा है। महकमे में अधिकारी आए या जाए, पौधारोपण कार्य विधि-विधान से निपटा लिया जाता है। रोपण के बाद पौधे के पोषण की चिंता भगवान पर छोड़ दी जाती है। रोपित पौधा बचे न बचे, रोपणकर्ता अधिकारी की नाम पट्टिका मकबरे की नाम पट्टिका की तरह वहां डटी रहती है।

मानसून के आते ही पौधारोपण करते छुटभैये नेताओं की फोटुएं अख़बारों में लहलहा उठती हैं। खबर है कि किसी महकमे में कोई भ्रष्ट अधिकारी पौधारोपण का क्रियाकर्म निपटा रहे थे। उनके इर्द-गिर्द कर्मचारियों की भीड़ जमा थी। तभी कोई रुष्ट ईमानदार कर्मचारी मिनमिनाया, 'इस भ्रष्टाचार को तो जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए।' यह सुनकर अधिकारी के कान खड़े हो गए। वे अपने हाथों में पौधे को थामे हुए थे। उन्होंने आंखें तरेरकर उस कर्मचारी पर दृष्टिपात किया। बेचारे कर्मचारी की संस्कारों में मिली ईमानदारी पिघलकर बहने को हो आई। वह रुआंसा हो गया। अधिकारी एक भरे-पूरे तोंदीले वृक्ष थे। वे रुष्ट कर्मचारी की हरकत से घोर अनिष्ट की आशंका से घिर गए कि हो न हो उनकी जड़ों में मट्ठा डालने वाला यही 'ईमानदार' है। रोपण के पावन अवसर पर उन्हें जड़ से उखाड़ फेंकने की बात कर रहा है! यह बात उन्हें बिल्कुल हजम नहीं हो रही थी। वे तो सदैव रोपण करते आए है, ताकि भ्रष्टफलों की भरपूर पैदावार हो और जरूरत पड़ने पर उनका रसास्वादन किया जा सके। भ्रष्टफलों का स्वाद अप्रतिम होता है।

बहरहाल, इसी दौरान भीड़ में एक भ्रष्टाचार का मारा आम नागरिक घुस आया और बोला, 'साहब जी! महकमें में व्याप्त भ्रष्टाचार ने हमारा जीना हराम कर दिया है। समझ नहीं आता कि कैसे निपटें। अब आप ही कुछ करिए।' यह सुनकर वहां उपस्थित चमचों में खलबली मच गई। धक्का-मुक्की में अधिकारी के हाथ में थामा हुआ पौधा, मिट्टी में से जड़ सहित उखड़कर उल्टा हो गया। तना नीचे और जड़ ऊपर। अधिकारी जड़ से उखाड़ फेंकने के अशुभ संकेत से हक्के-बक्के थे। कभी उस आदमी को और कभी जड़ों को देख रहे थे। मानो इंतज़ार कर रहे थे कि उन्हें कोई बताए कि पौधे की जड़ों को बचाया कैसे जाए। तभी उनके परम सहयोगी लेनदेन लाल ने पौधे की जड़ों को सहेजकर मिट्टी में रोप दिया। और अधिकारी इत्मीनान से जड़ें सींचने लगे।

- राकेश सोहम

15 लीटर पेट्रोल का जुमला...इथेनॉल नीति पर जवाबदेही का समय

भूपेन्द्र गुप्ता

लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं

देश को इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल अपनाने के लिए प्रेरित करते समय जनता के सामने एक आकर्षक भविष्य की तस्वीर रखी गई थी। यह कहा गया कि इथेनॉल आधारित ईंधन व्यवस्था आने पर पेट्रोल की कीमतें 15 रुपये प्रति लीटर तक आ सकती हैं। वर्षों बाद वास्तविकता यह है कि उपभोक्ता आज भी ऊंची कीमत पर पेट्रोल खरीद रहा है और अब उसे यह भी बताया जा रहा है कि ई20 ईंधन के कारण कुछ वाहनों में माइलेज 3-5 प्रतिशत तक घट सकता है। स्वयं पेट्रोलियम मंत्रालय ने माना है कि कुछ वाहनों में ईंधन दक्षता पर प्रभाव पड़ सकता है।

यह सर्वविदित है इथेनॉल की कैलोरिफिक वैल्यू (ऊर्जा क्षमता) पेट्रोल से लगभग 30-35 प्रतिशत कम है, तो समान मात्रा में ईंधन से मिलने वाली ऊर्जा भी कम होगी। आधुनिक ई20-अनुकूल इंजन इस अंतर की कुछ भरपाई कर सकते हैं, लेकिन भौतिकी का यह सिद्धांत नहीं बदलता कि इथेनॉल में प्रति लीटर ऊर्जा कम होती है। इसलिए माइलेज पर कुछ प्रभाव पड़ना तकनीकी रूप से अस्वाभाविक नहीं है। हाल के दिनों में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी कहा है कि इथेनॉल की कम कैलोरिफिक वैल्यू के कारण माइलेज पर सीमित असर पड़ सकता है, हालांकि उन्होंने वाहन क्षति के दावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया।

सरकार का दूसरा तर्क है कि ई 20 को व्यापक परीक्षण के बाद लागू किया गया और आधुनिक वाहनों में इससे सामान्य रूप से इंजन क्षति का कोई प्रमाणित पैटर्न नहीं मिला। उद्योग संगठनों और सरकार का कहना है कि ई20 के लिए परीक्षण किए गए हैं तथा वारंटी भी लागू रहेगी।

फिर भी उपभोक्ता के सामने कुछ वैध प्रश्न बने रहते हैं।

यदि इथेनॉल मिश्रण से तेल आयात कम होता है, तो उसका आर्थिक लाभ पेट्रोल की खुदरा कीमत में क्यों नहीं दिखाई देता? यदि लाखों पुराने वाहन मूल रूप से ई20 के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए थे, तो उनके लिए अलग संक्रमण योजना क्यों नहीं बनाई गई? यदि पेट्रोल पंपों और वाहन निर्माताओं द्वारा ईंधन प्रणाली की देखभाल संबंधी अतिरिक्त सावधानियां बताई जाती हैं, तो क्या उपभोक्ता को पहले से व्यापक और स्पष्ट जानकारी दी गई?

आज नीति का मूल्यांकन केवल पर्यावरणीय या कृषि लाभ से नहीं, बल्कि उपभोक्ता अनुभव से भी होगा। यदि जनता को अधिक कीमत भी चुकानी पड़े, माइलेज में कमी का अनुभव भी हो और भविष्य में रखरखाव की अतिरिक्त चिंता भी उठानी पड़े, तो यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि सरकार उन शुरुआती दावों और वर्तमान परिणामों के बीच के अंतर का स्पष्टीकरण दे।

सरकार यह भी बताये कि ईथेनाल निर्माण में खर्च होने वाले अतिशय पानी के कारण भविष्य में पानी के संभावित संकट पर उसकी क्या नीति है? जल संकट से होने वाले नुकसान की भरपाई कैसे होगी?

भारत को वैकल्पिक ईंधनों की आवश्यकता है। ऊर्जा सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है और किसानों के लिए नए बाज़ार भी। लेकिन किसी भी ऊर्जा परिवर्तन की सफलता का आधार केवल नीति नहीं, बल्कि पारदर्शिता, वैज्ञानिक संवाद और उपभोक्ता के प्रति जवाबदेही है।

इथेनॉल नीति पर एक और प्रश्न पारदर्शिता का है। आश्चर्य यह है कि इस विषय पर सबसे अधिक सार्वजनिक पक्षधरता अक्सर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी करते दिखाई देते हैं, जबकि यह नीति मूलतः पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र से जुड़ी है। यदि किसी मंत्री या उनके परिवार का जैव-ईंधन क्षेत्र से कोई व्यावसायिक संबंध सार्वजनिक रूप से मौजूद है, तो सरकार को स्वयं आगे बढ़कर यह स्पष्ट करना चाहिए कि नीति-निर्माण, निर्णय प्रक्रिया और निजी व्यावसायिक हितों के बीच किसी प्रकार का हितों का टकराव नहीं है। लोकतंत्र में केवल निष्पक्षता ही नहीं, बल्कि निष्पक्षता का दिखाई देना भी उतना ही आवश्यक है।

सरकार को अब तीन स्पष्ट कदम उठाने चाहिए-पहला, इथेनॉल नीति का स्वतंत्र तकनीकी ऑडिट सार्वजनिक किया जाए; दूसरा, पुराने और नए वाहनों पर वास्तविक प्रभाव का विस्तृत डेटा जारी किया जाए; और तीसरा, यह बताया जाए कि जिन आर्थिक लाभों का वादा किया गया था, वे आम उपभोक्ता तक कब और कैसे पहुंचेंगे।

ऊर्जा परिवर्तन तभी सफल माना जाएगा जब उसके लाभ किसानों, पर्यावरण और उपभोक्ता-तीनों तक समान रूप से पहुंचें।

राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

कुमार कृष्णन

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन भर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है-विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज-तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए। देश के कुछ प्रमुख धार्मिक

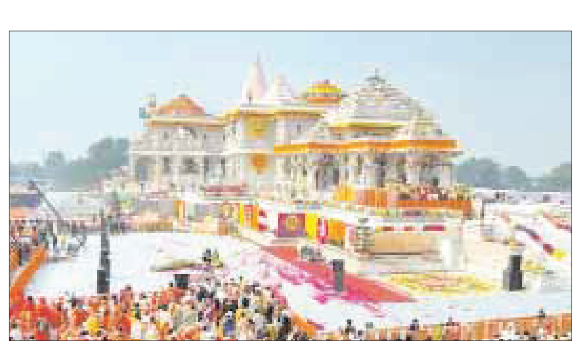

संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपर्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समय की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है। आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मर्यादा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय को अपना काम करने देना चाहिए और जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्ही जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है– तोहरै नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानते हैं।

अंततः यह मामला केवल चढ़ावे का नहीं, विश्वास का है। करोड़ों लोगों ने राम मंदिर को अपना मंदिर माना है। उन्होंने बिना किसी स्वार्थ के अपना धन, अपना श्रम और अपनी आस्था समर्पित की है। उस विश्वास की रक्षा करना ट्रस्ट, सरकार और न्यायपालिका-तीनों की समान जिम्मेदारी है।सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में चल रही प्रक्रिया से देश को यही अपेक्षा है कि जांच निष्पक्ष हो, सत्य सामने आए और जो भी तथ्य हों, वे बिना किसी दबाव के सार्वजनिक किए जाएं। यदि कोई दोषी है तो उसे कानून के अनुसार दंड मिले और यदि आरोप निराधार हैं तो ट्रस्ट की प्रतिष्ठा भी पूरी तरह बहाल हो। क्योंकि अंततः राम का सबसे बड़ा संदेश सत्य है, और सत्य को कभी जांच से भय नहीं होता। राम मंदिर की सबसे मजबूत दीवारें पत्थरों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और जनता के अटूट विश्वास से निर्मित होंगी। यही रामराज्य की भावना है और यही किसी भी लोकतांत्रिक समाज की सबसे

सूर्य का कर्क राशि में प्रवेश , बनेगा महालक्ष्मी राजयोग

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

ग्रहों के राजा सूर्य 16 जुलाई की रात्रि 11:44 बजे मिथुन राशि से निकलकर कर्क राशि में प्रवेश ‡कö‡। कर्क राशि में पहले से विराजमान देवगुरु बृहस्पति के साथ सूर्य की युति से महालक्ष्मी राजयोग का निर्माण होगा। ज्योतिषाचार्य पं. रवि शर्मा के अनुसार यह महत्वपूर्ण ग्रह परिवर्तन सभी 12 राशियों के कॅरियर, धन, प्रतिष्ठा, स्वास्थ्य और पारिवारिक जीवन पर व्यापक प्रभाव डालेगा। इसी दिन सूर्य के कर्क राशि में प्रवेश के साथ दक्षिणायन का भी आरंभ होगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार दक्षिणायन को देवताओं की रात्रि कहा जाता है। इस अवधि में उत्तरी गोलार्ध में रात्रियां लंबी और दिन छोटे होने लगते हैं। इसके अलावा 16 जुलाई को सायं 7:41 बजे देवगुरु बृहस्पति अस्त हो गö। बृहस्पति के अस्त होने के कारण विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश एवं अन्य मांगलिक संस्कारों पर अस्थायी रूप से रोक लग जाएगी।

राशियों पर प्रभाव

मेष :– कार्यक्षेत्र में गति बढ़ेगी। नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक लाभ, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बनेंगे।

वृषभ :– धन संबंधी फैसले जल्दबाजी में न लें। परिवार को अधिक समय देना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण आवश्यक रहेगा।

मिथुन :– नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। निवेश से लाभ मिलने की संभावना है तथा वाणी में मधुरता आएगी।

कर्क :– सूर्य आपकी ही राशि में गोचर करेंगे, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि अहंकार और क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा। पारिवारिक तनाव से बचने का प्रयास करें।

सिंह :– कार्यभार बढ़ सकता है। अनावश्यक विवादों से दूर रहें। स्वास्थ्य और खर्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी।

कन्या :– मेहनत का पूरा फल मिलेगा। धन लाभ और नए संपर्कों से सफलता मिलेगी। रुके हुए प्रोजेक्ट दोबारा शुरू हो सकते हैं।

तुला :– नौकरी और व्यापार में नई परिस्थितियां सामने आ सकती हैं। हर निर्णय सोच-समझकर लें तथा वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध मजबूत रखें।

वृश्चिक :– लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा और उच्च शिक्षा के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

धनु :– आर्थिक मामलों में लापरवाही न करें। किसी भी बड़े निवेश से पहले पूरी तरह विचार-विमर्श करना लाभदायक रहेगा।

मकर :– साझेदारी के कार्यों में लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापारियों के लिए समय शुभ और लाभदायक रहेगा।

कुंभ :– कार्य का दबाव बढ़ सकता है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय परेशानी का कारण बन सकते हैं। विरोधियों से सतर्क रहें और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

मीन :– पारिवारिक जीवन और कार्यक्षेत्र के बीच संतुलन बनाना आवश्यक होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा तथा प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

रवि अध्यक्ष, मुकेश महामंत्री और विकास कोषाध्यक्ष बने

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल की अनुशंसा पर कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन के मुख्यातिथ्य में कैट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गोयल ने संभागीय कार्यसमिति की घोषणा की है। जिसमें रवि गुप्ता अध्यक्ष, मुकेश जैन महामंत्री, मयूर गर्ग उपाध्यक्ष, विकास शिवहरे कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। इस मौके पर भूपेन्द्र जैन ने कहा कि कैट द्वारा 12 से 15 अगस्त तक भारत मंडपम नई दिल्ली में भारतीय व्यापार महोत्सव आयोजित हो रहा है, जो कि 'लोकल फॉर ग्लोबल' की धारणा को मूर्त रूप प्रदान करेगा। इस विक्रय प्रदर्शनी में ग्वालियर से 150 प्रतिनिधि भाग लेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी के लिए मांगा जनसमर्थन

ग्वालियर। प्रदेश कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के समर्थन में व्यापक जनसंपर्क कर जनसमर्थन की अपील की है। उन्होंने प्रदेश के जिला सहकारिता प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई), पूर्व सांसदों, पूर्व विधायकों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। यादव ने दतिया क्षेत्र के अनुसूचित जाति, कुशवाह, ब्राह्मण, वैश्य, व्यापारी, सुनार, साहू, जोशी, कुम्हार, कायस्थ, दांगी, बुंदेला, लोधी, कमरिया समाज सहित सभी वर्गों के मतदाताओं एवं अधिवक्ताओं से कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

अलका को वीमेन ऑफ द मैच का खिताब

ग्वालियर। जेसीआई ग्वालियर की लेडी जेसी विंग द्वारा जीवाजी क्लब में वीमेंस स्पोर्ट्स डे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लेडी जेसी सदस्यों ने क्रिकेट, बैडमिंटन एवं तंबोला प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी सदस्य निर्धारित ड्रेस कोड के अनुसार व्हाइट टॉप और ब्लू-ब्लैक बॉटम में शामिल हुए। क्रिकेट प्रतियोगिता में बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार लेडी जेसी रानू गुप्ता, बेस्ट बॉलर का श्वेता बिंदल तथा वीमेन ऑफ द मैच का खिताब अलका ग्रोवर ने प्राप्त किया। वहीं बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राधिका विजयवर्गीय और द्वितीय पुरस्कार अंजलि अचरा को दिया गया। वीमेन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार लेडी जेसी सजल अग्रवाल को मिला। इस अवसर पर संस्था के कपिल अग्रवाल, पारुल मेहरा, राधिका विजयवर्गीय, सुजाता अग्रवाल, रानू गुप्ता, वीणा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

पत्नी को जबरन मायके छोड़ने जा रहे ससुरालियों के अपहरण की उड़ाई अफवाह

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

कार में जबरन महिला को अपने साथ ले जाने की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और कार को बेहट थाना क्षेत्र में रोक लिया गया। पुलिस ने जब कार में सवार महिला से पूछताछ की तो पता चला कि पति, देवर और अजिया ससुर विवाहिता के नाराज होने पर उसे जबरन मायके छोड़ने जा रहे थे। अपहरण की फर्जी कहानी निकलने पर पुलिस ने राहत की सांस ली। बिजौली थाना क्षेत्र स्थित बीरमपुरा में रहने वाले पुष्पेन्द्र और उसकी पत्नी संजू जाटव में तीन-चार दिन से विवाद हो रहा था। बताया गया है कि कुछ समय पहले से पुष्पेन्द्र और उसकी पत्नी अलग रहने लगे थे। लेकिन दो दिन से संजू खाना नहीं खा रही थी। जब संजू ने खाना नहीं खाया तो पति पुष्पेन्द्र, अजिया ससुर भोगीराम जाटव, देवर संदीप, कल्याण पड़ोसी की कार से उसे मायके छोड़ने जा रहे थे। संजू जाटव मायके जाने से इंकार कर रही थी, लेकिन ससुरालीजन उसे जबरन मायके छोड़ने बेहट गूंजना गांव जा रहे थे। कार में जबरन बैठाने के दौरान किसी राहगीर ने पुलिस को सूचना दे दी कि महिला को कार से चार-पांच लोग अपहरण करके ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने चेकिंग शुरू कर दी। जैसे ही कार बेहट के पास पहुंची पुलिस ने उसे रोक लिया। कार में सवार लोगों से जब पुलिस ने पूछताछ की तो सच्चाई का पता चल गया। संजू की दो वर्ष की बेटी को पति पुष्पेन्द्र घर ही छोड़ आया था। संजू ने भी पुलिस को किसी प्रकार के अपहरण की घटना से इंकार कर दिया। पुलिस ने सभी लोगों से पूछताछ करने के बाद घर जाने दिया।

आध्यात्मिकता से सर्वांगीण विकास संभव

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के यूथ विंग द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर पुराना हाईकोर्ट लाइन स्थित संगम भवन केंद्र में युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को तकनीकी कौशल के साथ आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया गया। इस मौके पर डॉ. गुरचरण सिंह ने कहा कि विश्व युवा कौशल दिवस का उद्देश्य युवाओं को रोजगार, उद्यमिता, नवाचार और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशलों से सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को तकनीकी दक्षता के साथ सहयोग, नेतृत्व क्षमता, अनुकूलन क्षमता और मानवीय मूल्यों को भी विकसित करने की आवश्यकता है। बीके प्रहलाद भाई ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल तकनीकी कौशल पर्याप्त नहीं है।

दतिया में सत्ता और संगठन संभाल रहा मोर्चा

बड़ौनी में आमजन से मिलते आशुतोष तिवारी।

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर/ दतिया

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी की जीत के लिए उनके पर्चा दाखिल करने के बाद से ही सत्ता और संगठन ने मोर्चा संभाल लिया है। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरुआ, महामंत्री राहुल कोठारी सहित तमाम कार्यकर्ता इस अभियान में जुटे हुए हैं। वहीं प्रत्याशी आशुतोष तिवारी भी सुबह से ही प्रचार अभियान में निकल रहे हैं। उन्होंने बुधवार को ग्राम दुर्गापुर,भागौर, गोपालपुरा, खमेरा, बड़ौनी के अलावा वार्ड 17 एवं 18 में सघन जनसंपर्क किया।

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ÷ Ú(बैठक

भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक पूर्व गृहमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा द्वारा आयोजित की जा गयी। भाजपा जिला अध्यक्ष रघुवीर कुशवाहा ने बताया कि बैठक 16 जुलाई को सुबह 10 बजे भाजपा कार्यालय दतिया में आयोजित हुई। उन्होंने बताया कि बैठक में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति अपेक्षित रही।

घनश्याम सिंह पहुंचे जिला न्यायालय

दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह भी अपना प्रचार अभियान चला रहे हैं। उनके अभियान की कमान विधायक सिद्धार्थ सिंह कुशवाहा ने संभाल रखी है। सांसद अशोक सिंह, पूर्व विधायक लाखन सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं को सैक्टर प्रभारी बनाया गया है। प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने बुधवार को जिला न्यायालय पहुंचकर अभिभाषक एवं स्टाफ के बीच पहुंचकर मत मांगे।

जिला न्यायालय में वकीलों से मिलते घनश्याम सिंह।

पॉक्सो एक्ट के आरोप से अधिवक्ता और पत्रकार बरी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

ग्वालियर की विशेष पॉक्सो न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में अधिवक्ता संकेत साहू और पत्रकार केकेपी को पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में दर्ज प्रकरण से पूर्ण रूप से दोषमुक्त कर दिया है। न्यायालय ने मामले की विवेचना में सामने आई खामियों पर टिप्पणी करते हुए संबंधित विवेचना अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह फैसला विशेष न्यायाधीश एवं 13वें अपर सत्र न्यायाधीश ने मंगलवार को सुनाया।

अभियुक्तों की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता युवराज सिंह भदौरिया ने बताया कि न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर अभियोजन पक्ष आरोपों को प्रमाणित नहीं कर सका। उन्होंने बताया कि पत्रकार केकेपी के विरुद्ध पूर्व में भी समान प्रकृति का मामला दर्ज किया गया था, जिसमें उन्हें 11 मार्च 2025 को दोषमुक्त किया जा चुका है। वर्तमान प्रकरण में भी न्यायालय ने उन्हें एवं अधिवक्ता संकेत साहू को दोषमुक्त कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज को माना महत्वपूर्ण साक्ष्य: बचाव पक्ष द्वारा प्रस्तुत सीसीटीवी फुटेज को न्यायालय में देखा गया। बचाव पक्ष के अनुसार फुटेज में यह सामने आया कि कथित घटना के समय संबंधित परिस्थितियां अभियोजन की कहानी से मेल नहीं खा रही थीं। बचाव पक्ष का दावा था कि पीड़िता घर के अंदर थी और अभियुक्तों की मौजूदगी को लेकर भी अभियोजन के आरोपों पर सवाल खड़े हुए।

विवेचना पर उठे सवाल: विवेचना अधिकारी उपनिरीक्षक बलराम सिंह मांझी की जांच प्रक्रिया पर न्यायालय ने गंभीर टिप्पणी की। बचाव पक्ष का कहना था कि अभियुक्तों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज एवं सीसीटीवी फुटेज को विवेचना में उचित रूप से शामिल नहीं किया गया। न्यायालय ने विवेचना की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाते हुए संबंधित पुलिस कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

अभियुक्त ने बताई अपनी पीड़ा

अधिवक्ता संकेत साहू ने बताया कि गिरफ्तारी के समय उनका पुत्र मात्र 29 दिन का था और उन्हें 22 दिनों तक जेल में रहना पड़ा। वहीं पत्रकार केकेपी ने भी लंबी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान मानसिक एवं सामाजिक कठिनाइयों का सामना करने की बात कही।

लायंस डिस्ट्रिक्ट का शपथ ग्रहण जयपुर में होगा

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट का दो दिवसीय पीएसटी, रीजन चेयरपर्सन, जोन चेयरपर्सन प्रशिक्षण एवं डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट शपथ ग्रहण समारोह 25 एवं 26 जुलाई को जयपुर में आयोजित किया जाएगा। प्रांतपाल आशुतोष वशिष्ठ के नेतृत्व में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में ग्वालियर से बड़ी संख्या में लायन पदाधिकारी एवं सदस्य भाग लेंगे। दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नेतृत्व विकास, प्रभावी क्लब संचालन, सेवा परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन, सदस्यता विस्तार और संगठनात्मक विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला सम्मेलन

ग्वालियर । भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला सम्मेलन बाल भवन में 16 जुलाई को शाम 4 बजे आयोजित होगा। मुख्य अतिथि मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य एवं प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार के साथ महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाहा, जिला प्रभारी रमेश मालवीय एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

दिन को भी वो रात बताने लगता है जुगनू खुद को चांद बताने लगता है

■ सांप्रदायिक सद्भाव में महिलाओं और साहित्यकारों की भूमिका पर संगोष्ठी आयोजित

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

संस्कार भारती ग्वालियर और वूमेन सपोर्ट एंड डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में सांप्रदायिक सद्भाव में महिलाओं और साहित्यकारों की भूमिका क्या हो? विषय पर संगोष्ठी शासकीय केन्द्रीय पुस्तकालय रंगनाथन सभागार में आयोजित की गई। साथ ही साहित्यकारों का दद्दू बलवंत सिंह तोमर स्मृति सम्मान कार्यक्रम एवं काव्य गोष्ठी वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. भगवान स्वरूप चैतन्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मुख्य अतिथि शैवाल सत्यार्थी रहे। इस अवसर पर विवेक कुमार सोनी और पुस्तकालय अधिकारी राकेश कुमार भी मंचासीन रहे। मोहन सिंह बैस के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में संस्कार भारती के संभाग प्रमुख शेखर दीक्षित ने कहा कि जब समाज से भेदभाव समाप्त होगा और समरस समाज की स्थापना होगी तो अधिकांश समस्याएं अपने आप समाप्त हो जाएंगी। इस अवसर पर काव्य गोष्ठी में अमित चितवन ने दिन को भी वो रात बताने लगता है, जुगनू खुद को चांद बताने लगता है, सूरज के संग इक दिन क्या उठ बैठा वो अपनी फिर औकात बताने लगता है, ज्योति दिनकर ने इंसान का होना ही बहुत है समाज में, इंसान को बांधो न जाति के रिवाज में, भारत में भाईचारे को फैलाओ हर तरफ, नफरत को बंद रहने दो दिल की दराज में सुनाकर लोगों की खूब वाहवाही लूटी। इनके अलावा अनंग पाल सिंह भदौरिया, डॉ. रमेश कटारिया, सुबोध चतुर्वेदी,घनश्याम भारती, राज किशोर वाजपेयी 'अभय', किंकर पाल सिंह जादौन, कुन्दा जोगलेकर, रामलाल साहू 'बेकस', डॉ.रमेश त्रिपाठी 'मछण्ड', आशा पाण्डेय, डॉ. विक्रम सिंह तोमर आदि ने काव्य पाठ किया। संचालन सुनीति बैस ने किया।

पुष्य नक्षत्र पर आयुर्वेद महाविद्यालय में 359 बच्चों को पिलाया स्वर्णप्राशन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

पुष्य नक्षत्र के अवसर पर आमखो स्थित शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में बुधवार को स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जन्म से लेकर 16 वर्ष तक की आयु के 359 बच्चों को आयुर्वेदिक स्वर्णप्राशन की खुराक पिलाई गई। कार्यक्रम के प्रति अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला और सुबह से ही बड़ी संख्या में माता-पिता अपने बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचने लगे।

बाल रोग विभाग की ओपीडी में सुबह 9 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक स्वर्णप्राशन की व्यवस्था की गई। चिकित्सकों ने पहले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, इसके बाद निर्धारित मात्रा में स्वर्णप्राशन की खुराक दी। भीड़ को देखते हुए विभाग की टीम पूरे समय सक्रिय रही और बच्चों की जांच व दवा वितरण की प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संचालित की गई। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रीतेश कुमार वर्मा ने बताया कि आयुर्वेद में पुष्य नक्षत्र को स्वास्थ्य संवर्धन के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इसी कारण इस दिन स्वर्णप्राशन कराया जाता है। उन्होंने बताया कि यह आयुर्वेदिक औषधि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, स्मरण शक्ति एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करने में सहायक मानी जाती है। नियमित रूप से निर्धारित छह खुराक देने से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में लाभ मिलने का उल्लेख आयुर्वेद ग्रंथों में किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार स्वर्णप्राशन से बच्चों में बार-बार होने वाली सर्दी, जुकाम, बुखार, पाचन संबंधी समस्याओं, कुपोषण और वजन नहीं बढ़ने जैसी परेशानियों में भी लाभ मिलने की संभावना बताई जाती है।

किसानों तक पहुंचाएं नैनो और जैव उर्वरकों की तकनीकः शाक्यवार

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

इफको के तत्वावधान में बुधवार को कृषि विज्ञान केंद्र, ग्वालियर में सहकारी संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिले की विभिन्न सहकारी समितियों के 70 प्रबंधकों ने भाग लेकर आधुनिक कृषि तकनीकों एवं उर्वरकों के उपयोग पर जानकारी प्राप्त की।

संयुक्त संचालक कृषि आर.एस. शाक्यवार ने कहा कि मृदा स्वास्थ्य संरक्षण और सतत कृषि विकास के लिए नैनो एवं जैव उर्वरकों का अधिकाधिक उपयोग समय की आवश्यकता है। उन्होंने सहकारी समितियों से इन तकनीकों को किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का आह्वान किया। राज्य विपणन प्रबंधक इफको, भोपाल डॉ. डी.के. सोलंकी ने समितियों को इफको के उन्नत उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, व्यवसायिक योजना बनाकर कार्य विस्तार करने तथा प्रशिक्षण से मिली जानकारी किसानों तक पहुंचाने की सलाह दी। क्षेत्रीय प्रबंधक इफको आर.के. महोलिया ने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो जिंक, नैनो कॉपर, जैव उर्वरक, सागरिका एवं नेचुरल पोटाश के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. कुशवाह ने संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं उप आयुक्त सहकारिता अखिलेश शुक्ला ने किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु खाड़े ने कहा कि सहकारी समितियों को समय के अनुरूप बहुउद्देशीय संस्थाओं के रूप में विकसित होकर किसानों को विविध सेवाएं उपलब्ध करानी चाहिए।

विद्यार्थियों को मिलेगा इंडस्ट्री आधारित प्रशिक्षण व इंटर्नशिप का अवसर

आईटीएम और कोडिंग गुरुकुल के बीच एमओयू

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय और कानपुर स्थित कोडिंग गुरुकुल के बीच छात्र-छात्राओं को उद्योगोन्मुखी तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए तीन वर्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते पर आईटीएम की ओर से वाइस चांसलर प्रो. डॉ. योगेश उपाध्याय तथा कोडिंग गुरुकुल की ओर से फाउंडर शालिका रितु ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर आईक्यूएसी डायरेक्टर डॉ. वाणी अग्रवाल और आदित्य कृष्ण गुप्ता भी मौजूद रहे। एमओयू के तहत विद्यार्थियों को कैंपस रेडिनेस, इंडस्ट्री विजिट, जावा, डाटा स्ट्रक्चर्स एंड एल्गोरिद्म (डीएसए), कोडिंग स्किल्स, प्रोजेक्ट आधारित लर्निंग, इंटर्नशिप और इंटरव्यू तैयारी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उद्योग आधारित प्रोजेक्ट और रोजगार के अवसरों से भी जोड़ा जाएगा।

प्रो. उपाध्याय ने कहा कि विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ तकनीकी दक्षता और रोजगारपरक कौशल विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। यह साझेदारी विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी तकनीकी दुनिया के लिए बेहतर तरीके से तैयार करेगी। कोडिंग गुरुकुल की फाउंडर शालिका रितु ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों की तकनीकी क्षमता, रोजगार योग्यता और इंडस्ट्री रेडिनेस को मजबूत करेगी। प्रशिक्षण के लिए वेब आधारित मैनेजमेंट सिस्टम, व्यक्तिगत लॉगिन आईडी, साप्ताहिक प्रगति समीक्षा और ऑनलाइन मूल्यांकन की व्यवस्था रहेगी। सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे, जबकि विश्वविद्यालय की ट्रेनिंग सेल चयनित विद्यार्थियों को कोडिंग गुरुकुल की इंटर्नशिप और इंटरव्यू अवसरों से भी जोड़ेगी।

स्वच्छता सामाजिक उत्तरदायित्व हैः सोनी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी और क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के समापन अवसर पर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 में व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक गजेन्द्र सोनी ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सोनी ने कहा कि स्वच्छता केवल व्यक्तिगत आदत नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से घर, विद्यालय और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी से ही स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली तथा दैनिक जीवन में स्वच्छ आदतें अपनाने के बारे में जानकारी दी गई। वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी अरविंद पाण्डेय ने स्वच्छता विषय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संचालन अरविंद पाण्डेय ने किया।

केयर योअर हार्ट

कहीं आपका दिल भी तो नहीं दे रहा बीमारी के संकेत, जानिए 7 हृदय रोग

देश में हृदय रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। अनियमित दिनचर्या, तनाव, असंतुलित खानपान, धूम्रपान, मधुमेह, उच्च रक्त चाप और शारीरिक गतिविधियों की कमी इसके प्रमुख कारण हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि शुरुआती लक्षणों की समय पर पहचान कर उचित उपचार कराया जाए तो अधिकांश हृदय रोगों से होने वाले गंभीर खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

1. हृदय की धमनियों में रुकावट

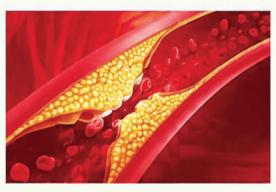

यह सबसे सामान्य हृदय रोग है। इसमें हृदय तक रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में वसा और कोलेस्ट्रॉल जमा होने से रक्त प्रवाह कम हो जाता है। सीने में दर्द, भारीपन, सांस फूलना और थकान इसके प्रमुख लक्षण हैं। समय पर उपचार न मिलने पर हृदयाघात का खतरा बढ़ जाता है।

2. हृदयाघात, सांसें रुक जाना

जब हृदय की किसी धमनी में रक्त प्रवाह अचानक रुक जाता है, तब हृदयाघात होता है। इसमें सीने में तेज दर्द, बाएं हाथ, कंधे या जबड़े तक दर्द फैलना, पसीना आना, घबराहट और सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। यह आपात स्थिति है और तत्काल अस्पताल पहुंचना जरूरी होता है।

3. हृदय की कमजोरी

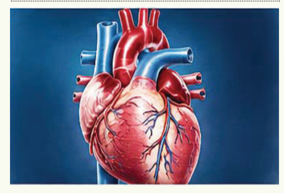

इस स्थिति में हृदय शरीर की आवश्यकता के अनुसार पर्याप्त रक्त नहीं पंप कर पाता। रोगी को थोड़ी मेहनत में भी सांस फूलना, पैरों में सूजन, अत्यधिक थकान और रात में सांस लेने में परेशानी हो सकती है। समय पर दवा, संतुलित आहार और नियमित जांच से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

4. हृदय की धड़कन का असामान्य होना

इस रोग में हृदय की धड़कन बहुत तेज, बहुत धीमी या अनियमित हो जाती है। मरीज को धड़कन महसूस होना, चक्कर आना, कमजोरी, बेहोशी या सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। लंबे समय तक अनदेखी करने पर यह गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है।

5. हृदय के कपाटों की बीमारी

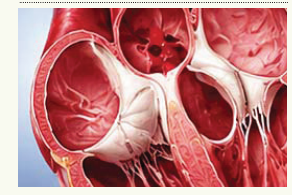

हृदय के कपाट रक्त के प्रवाह को सही दिशा में बनाए रखते हैं। इनमें संकुचन या रिसाव होने पर हृदय को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इससे सांस फूलना, सीने में दर्द, थकान और पैरों में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई मामलों में शल्य चिकित्सा की आवश्यकता पड़ती है।

6. जन्मजात हृदय रोग

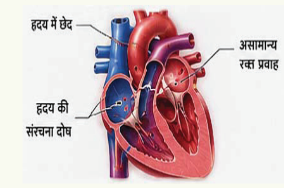

कुछ बच्चों में जन्म से ही हृदय की संरचना सामान्य नहीं होती। इससे शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। बच्चे का वजन कम बढ़ना, बार-बार सांस फूलना, त्वचा का नीला पड़ना और जल्दी थक जाना इसके संकेत हो सकते हैं। समय पर जांच और उपचार से सामान्य जीवन संभव है।

7. हृदय की मांसपेशी में बीमारी

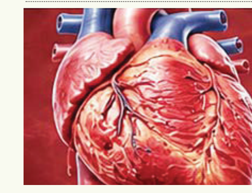

हृदय की मांसपेशियां कमजोर, मोटी या कठोर हो जाती हैं, जिससे रक्त पंप करने की क्षमता प्रभावित होती है। रोगी को सांस फूलना, सीने में दर्द, चक्कर आना और धड़कन तेज महसूस हो सकती है। चिकित्सकीय निगरानी और उचित उपचार से जोखिम कम किया जा सकता है।

सही तरीकों से ही कद बढ़ाएं नहीं तो परेशानी

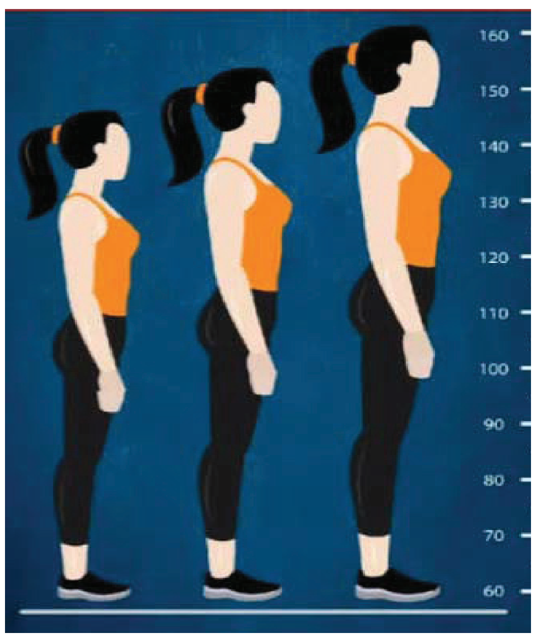

सवाल : मेरी उम्र 12 साल है। कद 4.8 फीट है। पिता का कद 5.3 फीट और मां का कद 5 फीट है। मुझे पीरियड्स शुरू हो गए हैं। क्या अभी भी मेरा कद बढ़ सकता है? क्या किसी खास डाइट या व्यायाम से कद बढ़ाया जा सकता है?

जवाब : इस उम्र में आपका सवाल वाजिब है। कई लड़कियों के मन में यही जिज्ञासा होती है। 12 साल की उम्र में अधिकांश लड़कियों का शारीरिक विकास जारी रहता है। यदि अभी पीरियड्स शुरू नहीं हुए हैं, तो कद बढ़ने की संभावना अच्छी है। यदि पीरियड्स शुरू भी हो जाएं, तब भी अगले दो से तीन वर्षों तक लंबाई कुछ सेंटीमीटर और बढ़ सकती है।

कद बढ़ना मुख्य रूप से आनुवंशिकता यानी माता-पिता से मिले जीन पर निर्भर करता है। इसका मतलब यह नहीं कि खान-पान और जीवनशैली का कोई महत्व नहीं है। सही पोषण, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और अच्छी सेहत प्राकृतिक वृद्धि क्षमता तक पहुंचने में मदद करते हैं। रोजाना प्रोटीन से भरपूर भोजन लें। दूध, दही, पनीर, अंडे, दालें, राजमा, चना, सोयाबीन व मछली अच्छे प्रोटीन स्रोत हैं। हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम और विटामिन डी जरूरी हैं। इसके लिए डेयरी उत्पादों के साथ रोज कुछ समय सुबह या शाम की धूप लेना भी लाभदायक है। हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, मेवे और साबुत अनाज शरीर को आवश्यक विटामिन और मिनरल्स प्रदान करते हैं।

डाइट पर ध्यान देने के साथ आपको व्यायाम भी करना होगा। रोज कम से कम एक घंटा शरीर के लिए निकालें, जिसमें दौड़ना, साइकिल चलाना, तैराकी, रस्सी कूदना या कोई भी आउटडोर खेल खेलने की आदत डालें। इससे हड्डियां व मांसपेशियां मजबूत होती हैं तथा शरीर का समुचित विकास होता है। योगासन भी शरीर की लचक और पोस्चर सुधारने में मदद करते हैं, हालांकि इनसे हड्डियों की लंबाई बढ़ने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इस उम्र में 8-10 घंटे की अच्छी नींद लेना भी बेहद जरूरी है, क्योंकि शरीर का ग्रोथ हार्मोन मुख्य रूप से गहरी नींद के दौरान ही अधिक मात्रा में बनता है।

ध्यान रखें, बाजार में मिलने वाली हाइट बढ़ाने की दवाओं, पाउडर या सप्लीमेंट्स के आकर्षक दावों का कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है। बिना डॉक्टर की सलाह इन्हें न लें। यदि एक वर्ष तक लंबाई बिल्कुल न बढ़े, विकास साथ के बच्चों की तुलना में काफी कम लगे, तो अपने डॉक्टर से मिलें। यदि डॉक्टर को हार्मोन संबंधी किसी समस्या का संदेह हो, तो वे कुछ रक्त जांच और एक्स-रे करा सकते हैं।

सिर जो तेरा चकराए

चक्कर आने को हल्के में न लें

क्या आप जानते हैं कि चक्क र आने के पचास प्रतिशत मामले कान से जुड़े होते हैं? कान के आंतरिक हिस्से की गड़बड़ी के कारण शरीर के लिए संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। बार-बार चक्कर आने की समस्या का सही कारण जानें और इसे गंभीर होने से रोकें

अधिकतर लोग चक्करआने को कमजोरी, थकान या रक्तचाप से जुड़ी समस्या मानकर अनदेखा कर देते हैं। जबकि, चक्कर आना, शरीर में पनप रही किसी समस्या का संकेत भी हो सकता है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, चक्करआने के आधे से अधिक मामले कानों से जुड़े होते हैं।

अमेरिकन एकेडमी ऑफ फैमिली फिजिशियंस की रिपोर्ट के अनुसार, 40 प्रमुख विकारों के कारण चक्करआ सकते हैं। कुछ गंभीर कारणों के अलावा शुगर का अचानक कम होना, रक्तचाप, दवाओं का साइड इफेक्ट और जीवनशैली से जुड़ी गलत आदतें भी चक्कर आने का कारण बन सकती हैं।

वर्टिगो की समस्या समझें

उस स्थिति को चक्कर आना या वर्टिगो कहा जाता है, जब मस्तिष्क अस्थिर और शरीर असंतुलित हो जाता है। सामान्य स्थिति में हमें शरीर का संतुलन बनाने के लिए कोई मेहनत नहीं करनी होती, लेकिन जब चक्कर आते हैं, तो ऐसा लगता है कि हमारा सिर घूम रहा है और पैरों पर खड़े रहना संभव नहीं हो पाता। चक्कर आना कोई बीमारी नहीं है, बल्कि सेहत से जुड़ी समस्या का संकेत है। वर्टिगो मुख्य रूप से दो तरह का होता है। पहला 'पेरिफेरल', जो कान की दिक्कत से जुड़ा है। दूसरा 'सेंट्रल', जो दिमाग की समस्याओं के कारण होता है। दिमाग से जुड़े कारण गंभीर हो सकते हैं।

वर्टिगो में दवा के साथ संतुलन बढ़ाने वाले व्यायाम (वेस्टिबुलर एक्सरसाइज) उपचार का अहम हिस्सा हैं। इससे चक्करके दौरे कम करने और शरीर का संतुलन सुधारने में मदद मिलती है।

ये लक्षण हैं पहचान

- खड़े होने या बैठने पर चक्कर आना।
- सिर का एक तरफ झुका हुआ महसूस होना।
- शरीर का संतुलन बनाने में परेशानी होना।
- आसपास की चीजें घूमती हुई महसूस होना।
- दिल की धड़कन अनियमित हो जाना।
- जी मिचलाना और भ्रमित होना।

कैसे बिगड़ता है संतुलन

शरीर का संतुलन मस्तिष्क नियंत्रित करता है। आंख, मांसपेशियां व जोड़ और आंतरिक कान इन तीन अंगों के सिस्टम से दिमाग को लगातार संकेत मिलते रहते हैं। इन संकेतों के आधार पर मस्तिष्क संतुलन बना पाता है। आंखें, देखकर संकेत भेजती हैं। मांसपेशियां व जोड़ ,शरीर की स्थिति और गति की जानकारी मस्तिष्क दिमाग को पहुंचाते हैं। आंतरिक कान में मौजूद वेस्टिबुलर सिस्टम, सिर की हरकत और शरीर के संतुलन का पता लगाता है। शरीर का संतुलन बनाए रखने के लिए इन तीन में से दो सिस्टम का सही होना जरूरी है।

जीवनशैली में लाएं ये बदलाव

- रोजाना 8 से 10 गिलास पानी पीएं।
- फल, सब्जियां और साबुत अनाज खाएं। नमक व कैफीन कम खाएं। धूम्रपान व शराब से दूरी बनाएं।
- पैदल चलना, योग, प्राणायाम और ताइची जैसे व्यायाम करें। डॉक्टर द्वारा बताए गए वर्टिगो के व्यायाम जरूर करें। तनाव मुक्त रहें।
- सिर को अचानक झटके से ऊपर नीचे न करें। सावधानी से बैठें, लेटें और झुकें।
- रोज 6-8 घंटे की गहरी नींद जरूर लें।
- अपने कानों को संक्रमण व चोटों से बचाएं।

तुरंत राहत के उपाय

- चक्कर का एहसास होते ही तुरंत बैठ जाएं, लेट जाएं या किसी चीज का सहारा लें।
- सिर व गर्दन स्थिर रखें। अचानक खड़े होने या तेजी से सिर घुमाने की कोशिश न करें। पानी पिएं। डिहाइड्रेशन की आशंका होने पर पर ओआरएस या नमक-चीनी का पानी लें। अदरक की चाय या पुदीने का पानी भी चक्कर में कुछ राहत देता है।
- धीरे-धीरे गहरी सांस लेने की कोशिश करें।
- ठंडी व हवादार जगह पर आराम करें। शुगर कम होने की आशंका है, तो कोई मीठी चीज या हल्का नाश्ता लें।

क्यों जरूरी है कान की जांच कराना

हमारे कान शरीर का संतुलन बनाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। जब अंदरुनी कान में कोई समस्या होती है, तो संतुलन गड़बड़ाने लगता है। नेशनल स्वीडिश स्टडी के अनुसार, दुनिया में चक्कर आने के 50-52 प्रतिशत मामले पेरिफेरल वर्टिगो के होते हैं, जो आंतरिक कान से जुड़े हैं।

पैरोक्सिस्मल पोजिशनल वर्टिगो (बीपीपीवी): यह चक्कर आने का सबसे आम प्रकार है। कान के अंदर बेहद छोटे कैल्शियम कार्बोनेट कण होते हैं। जब ये अपनी जगह से हटकर सेमिसर्कुलर कैनाल में चले जाते हैं, तो मस्तिष्क को गलत संकेत मिलते हैं कि शरीर घूम रहा है। सिर की पुरानी चोट, कान का ऑपरेशन या उम्र बढ़ने के साथ इन क्रिस्टल्स का ढीले पड़ जाना, इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

मेनियर डिजीज: इसमें आंतरिक कान में तरल पदार्थ का दबाव बढ़ जाता है। इस कारण बार-बार अचानक चक्कर आते हैं, साथ ही सुनने की क्षमता में कमी, कान में भारीपन का एहसास और कान में सीटी बजने जैसी आवाजें आती हैं।

वेस्टिबुलर न्यूराइटिस: संतुलन वाली नस में सूजन। यह आमतौर पर वायरल संक्रमण के कारण होती है, इसमें तीव्र और लगातार चक्कर आते रहते हैं।

लेबिरिंथाइटिस: आंतरिक कान के लेबिरिंथ में संक्रमण या सूजन चक्कर, सुनने में कमी और असंतुलन का कारण बन सकती है।

उपचार के विकल्प

चक्कर की समस्या का उपचार इसके कारणों पर निर्भर करता है। ये इस प्रकार हैं-

दवाएं : डॉक्टर जरूरत के अनुसार एंटी-हिस्टामाइन, एंटीएमेटिक या वेस्टिबुलर सप्रेसेंट्स जैसी दवाएं देते हैं, जो चक्कर, मतली, उल्टी और मोशन सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद करती हैं।

वेस्टिबुलर रिहैबिलिटेशन थेरेपी: यह एक विशेष फिजियोथेरेपी है, जिसमें संतुलन और आंखों की मूवमेंट बेहतर करने के लिए आसान व्यायाम कराए जाते हैं।

रीपोजिशनिंग मैन्युवर: यह तकनीक आंतरिक कान के कैल्शियम कणों को सही जगह पहुंचाकर चक्कर की समस्या कम करती है।

सर्जरी: गंभीर और चुनिंदा मामलों में सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है।

मूल कारण का इलाज: कान का संक्रमण, माइग्रेन, मधुमेह या अन्य जिस कारण से चक्कर आ रहा हैं, तो उस समस्या का उपचार करने से राहत मिलती है।

अनदेखी न करें जांच कराएं

बार-बार चक्कर या लड़खड़ाने की स्थिति में डॉक्टर निम्न जांच करा सकते हैं-

वीएनजी: सिर या शरीर को कुछ विशेष स्थितियों में घुमाते समय आंखों की गति की जांच करना।

एसवीवी: मस्तिष्क की सीधे ऊपर और नीचे की दिशा बता सकने की क्षमता व संतुलन तंत्र का पता लगाना।

डीवीए: सिर हिलाते समय मरीज के देखने की क्षमता की जांच।

वीएचआईटी: कान के भीतरी हिस्से में मौजूद नलिकाओं की कार्यप्रणाली की जांच करना।

ऑडियोमेट्री: सुनने संबंधी गड़बड़ी की जांच करना।

पोस्टुरोग्राफी: अलग-अलग तरीकों से खड़े होने पर शरीर की स्थिरता की जांच।

न्यूरोलॉजिकल टेस्ट: मस्तिष्क या तंत्रिका संबंधी जांच।

इन कारणों से भी आ सकते चक्कर

- मस्तिष्क व तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याएं जैसे मल्टीपल स्क्लेरोसिस, ब्रेन ट्यूमर, स्ट्रोक, माइग्रेन आदि।
- रक्तचाप कम या ज्यादा होना। शरीर में खून की कमी। डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी होना। रक्त में शुगर, बहुत कम या अधिक होना। नींद की कमी और थकान। हार्मोनल बदलाव, विशेषकर महिलाओं में। लंबे समय से तनाव की अधिकता। किसी नई शुरू की गई दवा का साइड इफेक्ट।

पालथी लगाते समय रखें ध्यान

बहुत सारे लोग पालथी लगाने में दर्द व असहजता महसूस करते हैं। विशेषज्ञों की मानें, इसका बड़ा कारण बदलती जीवनशैली है।

हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपक जोशी के अनुसार, पहले लोग शारीरिक गतिविधियां अधिक करते थे, जिससे उनके कूल्हे, घुटने, टखने व रीढ़ की हड्डी लचीली रहती थी। आज लंबे समय तक कुर्सियों पर बैठकर काम करना, कम चलना-फिरना और निष्क्रिय जीवनशैली के कारण गतिशीलता और मांसपेशियों की ताकत कम हो जाती है। इसी कारण पालथी की मुद्रा में या सुखासन में दर्द महसूस होता है।

मोटापा, बढ़ती उम्र, कूल्हों का कड़ापन, कोर मांसपेशियों का कड़ापन और शुरुआती गठिया भी इस समस्या के प्रमुख कारण हैं। यह परेशानी विशेष रूप से 40 की उम्र के बाद अधिक देखने को मिलती है। डॉ. जोशी के अनुसार, पालथी मारकर बैठना पूरी तरह सुरक्षित है, बशर्ते इसे कम समय के लिए और बिना किसी जोर-जबर्दस्ती के किया जाए। लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठे रहने या घुटनों को अत्यधिक मोड़ने से घुटनों में दर्द व मेनिस्कस की समस्या बढ़ सकती है। सही पोस्चर भी जरूरी है। बैठते समय रीढ़ की हड्डी सीधी रखें। कूल्हों को घुटनों से थोड़ा ऊंचा रखने के लिए कुशन या मुड़ा हुआ तौलिया इस्तेमाल करें। हर 15-20 मिनट में बैठने की स्थिति बदलें, हल्की स्ट्रेचिंग करें व कूल्हों व मांसपेशियों को मजबूत करने वाले व्यायाम करें।

बारिश में बुखार या वायरल... कैसे पहचानें

मानसून में बढ़ता है संक्रमण का खतरा, लक्षणों का अंतर समझें और समय पर कराएं जांच

मानसून के मौसम में वायरल संक्रमण और डेंगू के मामले तेजी से बढ़ने लगते हैं। दोनों बीमारियों के कई लक्षण एक जैसे होने के कारण अक्सर सही पहचान और उपचार में देरी हो जाती है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि दोनों में क्या अंतर है और कब चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए।

डॉ. नरेंद्र कुमार सिंगला के अनुसार, डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है, जबकि वायरल संक्रमण विभिन्न प्रकार के विषाणुओं के कारण फैलता है। यह संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने या उसकी खांसी और छींक से निकलने वाली संक्रमित बूंदों के माध्यम से फैल सकता है।

डेंगू के प्रमुख लक्षण

- 102 से 104 डिग्री तक तेज बुखार।
- आंखों के पीछे दर्द।
- तेज सिरदर्द।
- जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द।
- त्वचा पर चकते।
- उल्टी और अत्यधिक कमजोरी।
- गंभीर स्थिति में रक्तस्राव और प्लेटलेट्स की संख्या कम होना।

वायरल के लक्षण

- बुखार।
- गले में खराश।
- खांसी।
- नाक बहना।
- सिरदर्द।
- थकान।

आमतौर पर वायरल संक्रमण 3 से 5 दिनों में ठीक हो जाता है और इसमें प्लेटलेट्स की संख्या सामान्य रहती है।

कौन सी जांच जरूरी?

डॉ. सिंगला के अनुसार, सबसे पहले पूर्ण रक्त जांच (सीबीसी) कराई जाती है। डेंगू की पुष्टि के लिए शुरुआती पांच दिनों में एनएस-1 प्रतिजन जांच और इसके बाद प्रतिरक्षी जांच कराई जाती है। आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सक अन्य जांच भी लिख सकते हैं।

उपचार में रखें सावधानी

डेंगू का कोई विशेष विषाणुरोधी उपचार उपलब्ध नहीं है। रोगी को पर्याप्त आराम, अधिक पानी, ओआरएस और अन्य तरल पदार्थ लेना चाहिए। बुखार या दर्द होने पर केवल चिकित्सक की सलाह से पैरासिटामोल का सेवन करें। ब्रूफेन, डाइक्लोफेनक और एस्पिरिन जैसी दवाएं बिना चिकित्सकीय सलाह के न लें, क्योंकि इनसे रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है।

स्पेन की ओर से मिकेल ओयरजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर पहला गोल किया

स्पेन दूसरी बार विश्वकप के फाइनल में एम्बाप्पे की फ्रांस को 2-0 से हराया

एजेंसी, डलास

फीफा विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। डलास स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में स्पेन ने शुरुआत से ही अनुशासित खेल दिखाया और फ्रांस की मजबूत आक्रमण पंक्ति को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। स्पेन की ओर से मिकेल ओयरजाबल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर पहला गोल किया, जबकि दूसरे हाफ में पेड्रो पोरो ने 58वें मिनट में शानदार गोल दागकर टीम की जीत लगभग तय कर दी। अब स्पेन का सामना फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। खिताबी मुकाबला रविवार को न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

पेनल्टी से मिली बढ़त

मैच की शुरुआत में फ्रांस ने कुछ तेज हमले किए और किलियन एम्बाप्पे ने अपनी गति से स्पेनिश डिफेंस को चुनौती देने की कोशिश की। हालांकि, पहला बड़ा मौका स्पेन को मिला। 19 वर्षीय लामिन यमाल बॉक्स के अंदर गेंद तक पहले पहुंचे, जहां फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिग्ने ने उन्हें फाउल कर दिया। रेफरी ने तुरंत पेनल्टी का इशारा किया। 22वें मिनट में मिकेल ओयरजाबल ने पेनल्टी को गोल में बदलते हुए स्पेन को 1-0 की बढ़त दिला दी। गोलकीपर माइक मेन्यां सही दिशा में डाइव लगाने के बावजूद गेंद को रोक नहीं सके।

पेड्रो पोरो ने दूसरे हाफ में बढ़त की दोगुनी

पहले हाफ में बढ़त हासिल करने के बाद स्पेन ने दूसरे हाफ में भी अपना दबदबा बनाए रखा। 58वें मिनट में दानी ओल्मो के साथ शानदार वन-टू पास खेलने के बाद पेड्रो पोरो ने बेहतरीन फिनिश के साथ गेंद को गोलपोस्ट के निचले कोने में पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया। इस गोल के बाद फ्रांस पर दबाव और बढ़ गया, जबकि स्पेन ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मैच पर नियंत्रण बनाए रखा।

फ्रांस की कोशिश नाकाम

दो गोल से पिछड़ने के बाद फ्रांस के कोच ने डेजिरे डुए और रयान चेर्की को मैदान पर उतारकर आक्रमण को मजबूत करने की कोशिश की। किलियन एम्बाप्पे ने भी कई बार स्पेनिश रक्षा पंक्ति को भेदने का प्रयास किया, लेकिन गोलकीपर उनाई सिमोन ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं, डिफेंडर मार्क कुकुरेला ने भी एम्बाप्पे के एक खतरनाक मूव को बेहतरीन टैकल से रोक दिया। स्पेन की संगठित डिफेंस और अनुशासित खेल के सामने फ्रांस पूरे मैच में गोल नहीं कर सका।

स्पेन सबसे पहले फाइनल में पहुंचा

अंतिम सीटी बजते ही स्पेन के खिलाड़ियों और समर्थकों में जश्न का माहौल छा गया, जबकि फ्रांस की टीम निराश नजर आई। इस जीत के साथ स्पेन फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। दूसरी ओर, फ्रांस अब तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेगा।

एम्बाप्पे रहे बेअसर

पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे किलियन एम्बाप्पे इस मुकाबले में स्पेन की मजबूत डिफेंस के सामने असर नहीं छोड़ सके। उन्हें कई बार ऑफसाइड मिला और दूसरे हाफ में येलो कार्ड भी मिला। फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का मौका गंवा बैठा।

मुकाबले में बने रिकॉर्ड

- मिकेल ओयरजाबल ने स्पेन के लिए अपने पिछले 20 मैचों में 18वां गोल किया।
- यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 30वां गोल था।
- स्पेन ने पूरे मुकाबले में फ्रांस के आक्रमण को प्रभावी ढंग से रोके रखा और क्लीन शीट के साथ

3 पायदान की छलांग, 9वें पर पहुंचे

आईसीसी की वनडे ऑलरांउडर रैंकिंग में अक्षर शीर्ष-10 में

गिल नंबर-1 बनने से सिर्फ 11 अंक दूर

एजेंसी नई दिल्ली

आईसीसी ने 15 जुलाई को वनडे रैंकिंग जारी की। इसमें भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल तीन स्थान की छलांग लगाकर नौवें नंबर पर पहुंच गए। शुभमन गिल दूसरे स्थान पर बरकरार हैं और नंबर-1 बल्लेबाज बनने से सिर्फ 11 रेटिंग अंक दूर हैं। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में सस्ते में आउट होने के बावजूद रोहित शर्मा और विराट कोहली टॉप-5 बल्लेबाजों में बने हुए हैं।

अक्षर ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच जिताया

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में अक्षर पटेल ने पहले 4 विकेट लिए, फिर 52 गेंदों में नाबाद 57 रन की मैच जिताऊ पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन का असर आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में भी दिखा। अक्षर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 18 स्थान की छलांग लगाकर 73वें, गेंदबाजों में दो स्थान के सुधार के साथ 42वें और ऑलराउंडर रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 9वें नंबर पर पहुंच गए। 213 रेटिंग अंकों के साथ वह अपने करियर के बेस्ट रैंकिंग पर हैं। इससे पहले वह 7 जुलाई को जारी रैंकिंग में 12वें स्थान पर पहुंचे थे। इस सूची में अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई 316 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। वहीं, मैच जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले वाशिंगटन सुंदर बल्लेबाजों की रैंकिंग में 177वें और ऑलराउंडर रैंकिंग में 55वें स्थान पर पहुंच गए।

गिल नंबर-1 से सिर्फ 11 रेटिंग अंक दूर

इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 259 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान शुभमन गिल ने 75 गेंदों में 80 रन बनाए। वह चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर लौटे, लेकिन उनकी पारी भारत की जीत की नींव साबित हुई। इस प्रदर्शन से उन्हें 12 रेटिंग अंक मिले और वह 803 अंकों के साथ वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। अब वह टॉप पर मौजूद न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल से सिर्फ 11 रेटिंग अंक पीछे हैं। वहीं, पहले वनडे में सस्ते में आउट होने के बावजूद विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे स्थान पर कायम हैं।

गेंदबाजों में बुमराह 24वें स्थान पर

वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में कुलदीप यादव एक स्थान फिसलकर आठवें नंबर पर आ गए। वह भारत के इकलौते टॉप-10 गेंदबाज हैं। कुलदीप पहले वनडे में नहीं खेले थे। जसप्रीत बुमराह वापसी मैच में 1 विकेट लेने के बाद 24वें और मोहम्मद सिराज 19वें स्थान पर हैं।

गिल की चोट की चिंता के बीच भारत की नजर सीरीज जीत पर

एजेंसी, कार्डिफ़

भारत गुरुवार को इंग्लैंड के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ जीतने की कोशिश करेगा, लेकिन कप्तान शुभमन गिल की फ़िटनेस को लेकर अचानक हुई चिंता ने सोफ़िया गार्डन्स में होने वाले दूसरे मैच से पहले टीम मैनेजमेंट को एक अहम फ़ैसले की स्थिति में डाल दिया है। मेहमान टीम एजबेस्टन में पहले वनडे में छह विकेट से शानदार जीत के बाद 1-0 की बढ़त के साथ कार्डिफ़ पहुँची है। उस मैच में गिल ने शानदार 80 रन बनाए थे और पूरी तरह लय में दिख रहे थे, लेकिन दाहिने पैर में तकलीफ़ के कारण उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। हालांकि टीम को उम्मीद है कि चोट मामूली होगी, लेकिन मैचों के बीच कम समय होने के कारण भारत अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। गिल की भूमिका सिर्फ़ ओपनर की नहीं है; 26 साल के गिल कप्तान के तौर पर भी टीम की

दिशा तय करते हैं और भारत की लंबे समय की वनडे योजनाओं में एक अहम खिलाड़ी हैं। अगर गिल बाहर होते हैं, तो भारत को यह तय करना होगा कि उनकी जगह वैसा ही खिलाड़ी लाया जाए या बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किया जाए।

ईशान, गिल की जगह लेने के लिए सही विकल्प : श्रीकांत

भारत के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता क्रिस श्रीकांत ने गिल की जगह ईशान किशन को लाने का सुझाव दिया है, लेकिन रोहित शर्मा के साथ केएल राहुल से ओपनिंग कराने की बात कही है। श्रीकांत ने कहा, ईशान किशन गिल की जगह लेने के लिए सबसे सही विकल्प हैं। मैं गिल की जगह किशन को लाऊँगा, लेकिन केएल राहुल से ओपनिंग कराऊँगा। उन्होंने यह भी कहा कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी के दौरान भारत को स्थापित खिलाड़ियों को रोटेट करते रहना चाहिए। यह चयन का फ़ैसला ऐसे समय में हो रहा है जब भारत के टॉप ऑर्डर पर पहले से ही सबकी नज़रें हैं। रोहित शर्मा, भले ही अच्छे आंकड़े बनाए हुए हैं, लेकिन अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे।

चेस विश्व कप : सबसे बड़े टूर्नामेंट का फॉर्मेट बदला, प्राइज मनी 22% बढ़ी

खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 224 हुई

एजेंसी, लंदन

दुनिया के सबसे बड़े शतरंज टूर्नामेंट फिडे वर्ल्ड कप का फॉर्मेट अगले साल से पूरी तरह बदल जाएगा। अब शुरुआत से नॉकआउट मैच नहीं होंगे। पहले सभी खिलाड़ी स्विस लीग खेलेंगे। उसके बाद सिर्फ टॉप-16 खिलाड़ी नॉकआउट में पहुंचेंगे। इससे खिलाड़ियों को ज्यादा मैच खेलने का मौका मिलेगा। जानिए क्या हैं अहम बदलाव अब तक फिडे वर्ल्ड कप पूरी तरह नॉकआउट फॉर्मेट में खेला जाता था। 2027 से इसकी शुरुआत स्विस सिस्टम से होगी। ओपन वर्ग में 224 और महिला वर्ग में 128 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ओपन के खिलाड़ियों को 56-56 के 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। हर खिलाड़ी 9 राउंड खेलेगा। इसके बाद हर ग्रुप के टॉप-4 खिलाड़ी नॉकआउट के राउंड ऑफ-16 में पहुंचेंगे। महिला वर्ग में दो ग्रुप होंगे और हर ग्रुप से 8 खिलाड़ी आगे बढ़ेंगी।

पहले वर्ल्ड कप करीब चार हफ्ते तक चलता था। कई खिलाड़ी पहले ही दो मैच हारकर बाहर हो जाते थे, जबकि कुछ खिलाड़ियों को लगभग एक महीने तक खेलना पड़ता था। फिडे का मानना है कि इतना लंबा टूर्नामेंट खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए मुश्किल हो गया था। नए फॉर्मेट से प्रतियोगिता करीब एक हफ्ते छोटी हो जाएगी और सभी खिलाड़ियों को कम से कम 9 मुकाबले खेलने का मौका मिलेगा।

एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप

भारत ने महिला वर्ग में 3 स्वर्ण, 10 रजत और 4 कांस्य पदक जीते

एजेंसी, जकार्ता

भारत ने जकार्ता में आयोजित एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप के महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल पांच गोल्ड, दस सिल्वर और चार ब्रॉन्ज़ मेडल जीते। अंडर-19 महिला कैटेगरी में भारत ने दो गोल्ड और छह सिल्वर मेडल जीते, जो उसके युवा प्रोग्राम की मज़बूती को दिखाता है। चंद्रिका भोरेस पुजारी (51किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज़्बेकिस्तान की नाज़ोकत मार्डोनोवा को 5:0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता, जबकि प्राची ने भी इंडोनेशिया की दिरा आर्टिका को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया।

अंडर-23 महिला कैटेगरी में लाजवाब प्रदर्शन

अंडर-19 कैटेगरी में भारत के अन्य फाइनलिस्ट ने कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, जिससे टीम के कुल मेडल टैली में योगदान मिला। अंडर-23 महिला कैटेगरी में भी भारत ने एक गोल्ड, चार सिल्वर और चार ब्रॉन्ज़ मेडल के साथ शानदार प्रदर्शन किया। निशा (54किग्रा) ने जापान की कोइन कोकुफू को 5 :0 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। इस कैटेगरी में भारत के अन्य गोल्ड मेडलिस्ट ने भी अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखते हुए टॉप स्थान हासिल किया। वहीं, निकिता चंद (60किग्रा), काजल (65किग्रा) और मुस्कान (75किग्रा) ने अपने-अपने फ़ाइनल में कड़ी टक्कर दी, लेकिन उज़्बेकिस्तान की मज़बूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करने के बाद उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

भारत की हॉकी विश्व कप की तैयारियां अंतिम चरण में, एक महीने का बचा समय

नई दिल्ली। हॉकी विश्व कप 2026 के शुरू होने में अब सिर्फ एक महीना बचा है। ऐसे में भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने अपनी तैयारियों को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। दोनों टीमें बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में कड़ी मेहनत करके विश्व कप में दमदार प्रदर्शन के लक्ष्य के साथ अंतिम तैयारियों में जुटी हुई हैं। बेल्जियम और नीदरलैंड में 15 से 30 अगस्त तक आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पहली बार पुरुष और महिला विश्व कप का आयोजन एक साथ एक ही स्थानों पर किया जाएगा। भारतीय पुरुष टीम हाल ही में एफआईएच प्रो लीग के रॉटरडैम और लंदन चरण में शानदार प्रदर्शन के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ विश्व कप में उतरने जा रही है। टीम ने मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीदरलैंड और पाकिस्तान जैसी मजबूत टीमों को हराया, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ भी दमदार प्रदर्शन किया। भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने बुधवार को हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यूरोप दौरे के बाद खिलाड़ियों ने थोड़ा आराम किया था।

54 वी राज्य सब जूनियर और मिनी ग्रुप तैराकी प्रतियोगिता

भोपाल जिले की 36 सदस्यीय टीम की घोषणा, अरनव चौधरी कप्तान

खेल संवाददाता, भोपाल

भोपाल/ इंदौर में 16 से 18जुलाई तक आयोजित होने वाली 54 वीं राज्य तैराकी प्रतियोगिता के लिये भोपाल टीम घोषित की गई आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में भोपाल तैराकी संघ के सचिव रामकुमार खिलरानी ने बताया कि यह प्रतियोगिता 3 ग्रुप में खेली जायेगी एवं इस तीन दिवसीय तैराकी प्रतियोगिता के माध्यम से सब जूनियर नेशनल जयपुर के लिए मध्यप्रदेश की टीम का चयन किया जायेगा। भोपाल जिले की 36 सदसीय टीम का कप्तान अरनव चौधरी का बनाया गया है। तैराक खिलाड़यों की सूची इस प्रकार है:- मोली आहुजा, आन्या वाडिया, हिमांशी लीलानी, जाग्वी सबनानी, आराध्या मेहता, तृषा

विश्वकर्मा, तीशा पंथी, साक्षी चतुर्वेदी, दानिका बाथम, तेजस्विनी कौशल, मिताली निकुंभ, यूमायरा दत्ता, अवनी कौशल, कनुप्रिया शर्मा, किमाया तिवारी, चहक उनियाल, अथर्व बाथम, अरनव चौधरी, ईशान सिंह सेंगर, तेजस बाथम, अरीज खान, वेंकटेश के, ऋषभ कौशिक, ध्रुव नेगी, अर्णव कुशवाह, धवित पाठक, द्युतित सिंह, शौर्य साहू, वेदांत गुप्ता, तनिष्क अग्रवाल, कोविद गुप्ता, रियांश खुराना, वेदांत पांडे, आद्यमान रघुवंशी, अक्षत ठाकुर, लक्ष्य उनियाल। इस टीम के कोच पंकज बाथम होंगे। इस दल को भोपाल तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल (लिलि), उपाध्यक्ष ब्रजेश राजपूत, आशीष टोंक, गणेश कुण्टे एवं मुकेश मिश्रा ने बधाई देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

आईसीसी ने क्रिकेट वेस्ट इंडीज़ के लिए 1.28 करोड़ डॉलर का लोन मंज़ूर किया

एडिनबर्ग। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा घोषित गवर्नेंस, मेंबरशिप और मेंबर सपोर्ट में बदलावों के तहत क्रिकेट वेस्ट इंडीज़ को आईसीसी से लोन मिलेगा। एडिनबर्ग में हुई सालाना बैठकों के बाद, जिनमें पुरुषों के वनडे और टी 20 वर्ल्ड कप फ़ॉर्मेट में बदलाव भी शामिल थे, मेंबर बॉडीज़ से जुड़े कई फ़ैसले लिए गए, जिनमें वेस्ट इंडीज़ क्रिकेट को आर्थिक मदद देना भी शामिल है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, मॉरिशस को आईसीसी का 111वां मेंबर बनाया गया है, जिससे इसके 12 फुल मेंबर्स और 98 अन्य एसोसिएट मेंबर्स की संख्या में इज़ाफ़ा हुआ है। इस बीच, आईसीसी मेंबरशिप क्राइटेरिया का उल्लंघन करने के कारण फ्रांस क्रिकेट को नोटिस दिया गया है। आईसीसी ने क्रिकेट वेस्ट इंडीज़ को समर्थन के तौर पर 1.28 करोड़ डॉलर का लोन दिया है। यह बोर्ड, जो कई सालों से आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रहा है, आईसीसी से मदद की मांग करता रहा है - एक ऐसी बात जिसे समय-समय पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी उठाया है।

386 संस्थाओं में से 96 BWG ही रजिस्टर्ड सभी को करवाना आवश्यक: कमिश्नर जैन

मेट्रो और रेलवे को जारी होगा नोटिस, सीएम हेल्पलाइन की पेंडिंग पर अधिकारियों पर जताई नाराजगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी भोपाल में 386 संस्थाओं को बीडब्ल्यूजी (बल्क वेस्ट जनरेटर) का रजिस्ट्रेशन करवाना है। लेकिन दो महीने में सिर्फ 96 ने ही रजिस्ट्रेशन करवाया है। नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने बाकी संस्थाओं के रजिस्ट्रेशन करवाने को कहा। वहीं कमिश्नर ने मेट्रो रेल कार्पोरेशन सहित रेलवे और अन्य संस्थानों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। यह सभी शहर में गंदगी फैलाने के अलावा सीएण्डडी वेस्ट फैंक रहे हैं।

बुधवार को नगर निगम मुख्यालय अटल भवन में निगम कमिश्नर संस्कृति जैन ने समय सीमा प्रकरण (टीएल)बैठक ली। दोपहर पौने दो बजे से शुरू हुई टीएल शाम करीब 5 बजे तक चली। इस दौरान कमिश्नर ने एक-एक विभाग के कामकाज की समीक्षा की। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को लेकर उन्होंने अतिक्रमण शाखा और अनुज्ञा शाखा के इंजीनियरों पर नाराजगी जताई। वहीं कम टैक्स वसूली को लेकर राजस्व विभाग के जिम्मेदारों को एक बार फिर फटकार लगाई।

कमिश्नर ने लापरवाह जोनल अधिकारियों सहित वार्ड प्रभारियों को लेकर नाराजगी जताई। पिछली टीएल में भी कमिश्नर ने 11 जेडओ सहित 45 वार्ड प्रभारियों के वेतन होल्ड करवाए थे। इसके बाद भी वसूली में सुधार नहीं हुआ। इस पर उन्होंने जोनल अधिकारियों सहित वार्ड प्रभारियों को नोटिस जारी करने को कहा। कमिश्नर संस्कृति जैन ने टीएल बैठक में भोपाल मेट्रो कॉर्पोरेशन सहित रेलवे और अन्य संस्थानों को नोटिस जारी करने को कहा। दरअसल यह सभ शहर में गंदगी फैला रहे हैं। जिसमें मेट्रो कंपनी जगह-जगह सीएण्डडी वेस्ट फैंक रहा है। जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है। अब इनसे जुर्माना वसूला जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन के लिए गंभीर नहीं अधिकारी

टीएल बैठक में कमिश्नर संस्कृति जैन ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए 50 दिन पुरानी शिकायतों को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने अनुज्ञा शाखा सहित अतिक्रमण की शिकायतें लंबित रहने पर संबंधितों को एससीएन जारी करने को कहा। बताया जाता है कि पिछली टीएल में भी कमिश्नर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण करने को कहा था। फिर भी अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इस पर उन्होंने अतिक्रमण प्रभारी शैलेंद्र सिंह भदौरिया, सृष्टि भदौरिया, महेश गौहर मूल पद सफाई कामगार, शुभम गौर व रविन्द्र यादव को कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा।

कंपाउंडिंग का रास्ता खुला

अगर बिल्डिंग परमिशन से ज्यादा में मकान बना लिया है तो इसकी कंपाउंडिंग करवा सकते हैं। कमिश्नर ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। वहीं कमिश्नर ने संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, लीज रेंट सहित राजस्व की अन्य मदों में राजस्व वसूली तेज करने, राजस्व आय बढ़ाने संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार सहित अन्य मदों में नए खाते खोलने, शहर में निगम स्वामित्व की संपत्तियों का निरीक्षण कर वास्तविक संपत्तियां दर्ज करने, लीज रेंट समेत बकायादारों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सभी का बीडब्ल्यूजी रजिस्ट्रेशन जरूरी

कमिश्नर संस्कृति जैन ने बीडब्ल्यूजी (बल्क वेस्ट जनरेटर) की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि अब तक करीब 96 का रजिस्ट्रेशन हो गया है। जबकि निगम ने शहर में 386 संस्थाओं को चिंहित किया है। नियमों के मुताबिक 20 हजार वर्गमीटर से अधिक क्षेत्र में बने रहवासी परिसर, व्यवसायिक काम्पलेक्स, ऑफिस, मैरिज गार्डन और होटल्स को बल्क जनरेटर के लिए रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है। बल्क जनरेटर्स के रजिस्ट्रेशन के लिए अपर मुख्य सचिव के माध्यम से विभागों को पत्र लिखवाया जाएगा। सॉलिड वेस्ट रूल्स 2026 के तहत सभी का रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। कमिश्नर ने एसबीएम अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द सभी के रजिस्ट्रेशन करवाएं जाएं।

पीपुल्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड रिसर्च सेंटर ने मनाई स्थापना की 20वीं वर्षगांठ

भोपाल (नगर संवाददाता)

पीपुल्स विवि के अंतर्गत संचालित पीपुल्स कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड रिसर्च सेंटर ने मंगलवार को अपनी स्थापना की 20वीं वर्षगांठ उत्साह, गरिमा व भावनात्मक माहौल में मनाई। प्रोफेसर डॉ.पुनीता लक्ष्मी ने कार्यक्रम की शुरुआत Journey of Excellence शीर्षक से तैयार विशेष प्रस्तुति से हुई। इसमें कॉलेज की स्थापना से लेकर 20 वर्षों की उपलब्धियों, शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध, सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं तथा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूर्व विद्यार्थियों की सफलताओं को दर्शाया गया। पीपुल्स विवि की Pro- Chancellor Megha Vijaywargia ने कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, संवेदनशीलता और मानवता का श्रेष्ठ स्वरूप है। उन्होंने कहा कि संस्थान ने पिछले दो दशकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक प्रशिक्षण के माध्यम से हजारों दक्ष नर्सिंग प्रोफेशनल तैयार किए हैं, जो देश-विदेश में उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे हैं। मुख्य अतिथि प्रो.डॉ. बीनू कुशवाह सिंह ने निजी व शासकीय नर्सिंग कॉलेजों के बीच एमओयू की आवश्यकता पर बल देते सहयोग का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ.माया ई. पाटिया ने नर्सिंग में समर्पण, करुणा और निरंतर सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. (डॉ.) हरीश राव ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में नर्सों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

दो दशक की उपलब्धियों को किया याद

जिला कोषालय में आज और कल शिविर

भोपाल। जिला कोषालय भोपाल में आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर के उपयोग में तकनीकी जटिलताओं और लंबित एसडी कॉल्स निवारण के लिए 16 और 17 जुलाई को समाधान शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में वित्तीय प्रक्रियाओं को बाधारहित एवं सुगम बनाना है, जिससे शासकीय कार्यों में गतिशीलता और शुचिता बनी रहे। जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश जारी किए हैं।

66 लोक अभियोजन अधिकारी बने उप संचालक

भोपाल। राज्य शासन ने लोक अभियोजन संचालनालय के 66 जिला लोक अभियोजन अधिकारी/अति. जिला लोक अभियोजन अधिकारी को पद्दोन्नत कर उप संचालक, अभियोजन प्रथम श्रेणी बनया गया है। इनको वेतनमान 15600-39100+6600 ग्रेड-पे (मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम, 2017 में विनिर्दिष्ट पे मैट्रिक्स लेवल 13) में पदोन्नत किया गया।

वन विभाग की नर्सरी में मजदूर से ज्यादती

भोपाल। वन विभाग की नर्सरी में शादीशुदा महिला से ज्यादती की गई।

लॉर्ड्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन पर दी शुभकामनाएँ

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में मध्यप्रदेश एवं देश का गौरव बढ़ाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज़ गेंदबाज़ सुश्री क्रांति गौड़ से मुलाकात कर इंग्लैंड के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि क्रांति गौड़ ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। उनकी उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में 55 लाख बच्चों को गणवेश का इंतजार

- सिलाई की टेंडर प्रक्रिया जारी, पाठ्य पुस्तक निगम करेगी तैयार

भोपाल (नगर संवाददाता)

बच्चों को मिलेगी एक करोड़ 40 लाख 6892 हजार गणवेश

मध्यप्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं के 55 लाख से अधिक बच्चे नई गणवेश का इंतजार कर रहे हैं। सरकार ने इस बार राशि देने के बजाय सिलवाकर गणवेश देने जा रही है। गणवेश का वितरण राज्य शिक्षा केंद्र करेगी, जबकि ड्रेस की टेंडर प्रक्रिया का काम पहली बार मप्र पाठ्य पुस्तक निगम को दिया गया है। विभाग की ढिलाई से अभी तक गणवेश की सिलाई का टेंडर प्रकिया को अंतिम रूप नहीं दे पा रही है। इस कारण आधा जुलाई जानकारी के अनुसार सत्र 2026-27 में शिक्षा विभाग के अनुसार प्रदेश में कुल सरकारी स्कूलों की संख्या लगभग 92,695 है, जहां लगभग 55 लाख बच्चों को स्कूल ड्रेस दी जानी है।

पिछले सप्ताह पाठ्य पुस्तक ने ड्रेस सिलाने का प्री-बीड टेंडर निकाला, पर वेंडरों के दावे- आपत्तियों के कारण टेंडर को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। अब दोबारा टेंडर बुलाया है, जोकि जुलाई अंत तक फाइनल हो पाएगा।

इतनी संख्या में है छात्र- छात्राएं

अधिकारियों के अनुसार पहली से तीसरी तक 7,73, 022 छात्र और 8,01,898, चौथी से आठवीं तक 17,59,652 छात्र और 18,68,874 छात्राओं का स्कूलों में नामांकन है। इस तरह पहली से आठवीं तक कुल 25 लाख 32 हजार 674 छात्र और 26 लाख 70 हजार 772 छात्राएं के अलावा एक लाख से अधिक मदरसा के बच्चे भी शामिल है।

350 करोड़ रुपए की आएगी लागत

अधिकारियों के अनुसार स्कूल ड्रेस की लागत लगभग 350 करोड़ रुपए आएगी। हालांकि नवंबर तक कपड़ा, धागा आदि की कीमतें बढ़ गई जो ड्रेस की लागत भी बढ़ सकती है। सैंपल और कपड़े की गुणवत्ता संबंधी लैब रिपोर्ट मांगी है। चयनित वेंडर को आदेश आपूर्ति मिलने के 110 दिनों के भीतर प्रदेश में पाठ्य पुस्तक निगम के डिपो इंदौर, उज्जैन, खंडवा, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा में शत-प्रतिशत ड्रेस को पहुंचाना होगी। इसके बाद राज्य शिक्षा केंद्र के जरिए स्कूलों में पहुंचेगी। तब तक बिना ड्रेस के ही बच्चे स्कूल आएंगे। जिन बच्चों के पास पुरानी ड्रेस है, वे उसे पहनकर आ रहे हैं।

प्रयास करेंगे समय पर मिले गणवेश

आरएसके के प्रवक्ता अमिताभ अनुरागी ने माना कि तीन माह में इतनी बल्क मात्रा में ड्रेस तैयार करना बहुत ही चुनौती भरा काम है। फिर भी हम प्रयास करेंगे कि समय पर गणवेश मिल जाएं।

नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने जारी की अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स की सीटों की संख्या

प्रदेश में एमबीबीएस की 295 नई सीटें बढ़ीं अब 6,020 सीटों पर छात्रों को मिलेगा प्रवेश

भोपाल (नगर संवाददाता)

एनएमसी यानी नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स एमबीबीए कोर्स (आईएनआई को छोड़कर) की सीटों की संख्या जारी कर दी है।

ताजा आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश में इस सत्र में कुल 6,020 सीटों पर एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश दिया जाएगा। यानी 2026-27 सत्र में पिछले साल के मुकाबले 295 सीटें बढ़ाई गई हैं। इनमें से 3,020 सीटें सरकारी मेडिकल कालेजों में होंगी जबकि 3,000 सीटें निजी मेडिकल कालेजों की हैं।

अगर पूरे देश की बात की जाए तो नीट यूजी 2026 के जरिए देश भर की कुल 1,36,939 एमबीबीएस सीटों पर दाखिले किए जाएंगे।

इनमें इस वर्ष 1,27,028 एमबीबीएस सीटें रिन्यू हुई हैं और 9,911 नई सीटें जोड़ी गई हैं। देश में कुल 823 मेडिकल कॉलेजों में ये सीटें दाखिले के लिए उपलब्ध होंगी।

अब तक प्रदेश में कुल 5,725 सीटें ही थीं उपलब्ध

प्रदेश के सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में अब तक एमबीबीएस की कुल 5,725 सीटें ही उपलब्ध थीं। इनमें सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 3,025 सीटें तथा निजी मेडिकल कॉलेजों में 2,700 सीटें हैं। सीटें बढ़ने के बाद अब यह संख्या बढ़कर 6020 हो गई है। यानी इस बार 2026-27 के सत्र में 6,020 अभ्यर्थियों में एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश दिया जाएगा, जो पहले 295 सीट ज्यादा हैं। राज्य में मेडिकल शिक्षा के विस्तार के लिए लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं और कई पुराने संस्थानों में भी सीटों की संख्या बढ़ाई गई है। वर्तमान में मध्य प्रदेश में 21 सरकारी मेडिकल कॉलेज (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल सहित) तथा 14 निजी मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। इससे प्रदेश के विद्यार्थियों को अपने ही राज्य में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिल रहे हैं। सरकार का लक्ष्य भविष्य में डॉक्टरों की कमी को दूर करना, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना और मेडिकल शिक्षा की पहुंच को प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों तक बढ़ाना है।

स्वीकृत संख्या से अधिक प्रवेश नहीं मिलेंगे

एनएमसी की ओर से जारी सीटों के आंकडों में नए मेडिकल कॉलेजों और जिन संस्थानों में सीटें बढ़ाई गई हैं, उनका पूरा विवरण दिया गया है। इसके साथ ही यह भी बताया है कि किस राज्य में कितनी प्राइवेट और सरकारी मेडिकल सीटें उपलब्ध हैं। एनएमसी ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश केवल मंजूर सीटों पर ही किए जाएंगे और किसी भी स्थिति में स्वीकृत संख्या से अधिक एडमिशन नहीं दिया जा सकेगा। एनएमसी के मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड (एमएआरबी) की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, यह सीट मैट्रिक्स 13 जुलाई 2026 तक स्वीकृत सीटों के आधार पर तैयार की गई है। हालांकि यदि अपील समिति या अन्य सक्षम प्राधिकरण कोई फैसला लेता है तो इसमें संशोधन भी किया जा सकता है। संशोधित सीट मैट्रिक्स एनएमसी की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी और उसी के आधार पर केंद्र व राज्य सरकारों की काउंसलिंग समितियां प्रवेश प्रक्रिया संचालित करेंगी।

निजी मेडिकल कॉलेजों के लिए सात दिन की समयसीमा

एनएमसी ने जिन निजी मेडिकल कॉलेजों को नया संस्थान खोलने या सीटें बढ़ाने की मंजूरी दी है, उन्हें सात दिनों के भीतर इलेक्ट्रॉनिक बैंक गारंटी जमा करने का निर्देश दिया है। बैंक गारंटी मिलने और सही पाए जाने के बाद ही एमएआरबी संबंधित कॉलेजों को लेटर ऑफ परमिशन (एलओपी) जारी करेगा। कहां कितनी सीटें बढ़ी- 441 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कुल 63,296 सीटें (61,185 रिन्यू + 2,111 नई/बढ़ी हुई) उपलब्ध हैं। इसी तरह 382 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज हैं, जिनमें कुल 73,643 सीटें (65,843 रिन्यू + 7,800 नई/बढ़ी हुई) उपलब्ध हैं। इस वर्ष 25 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं, जिनमें कुल 2,400 एमबीबीएस सीटें शामिल हैं। इनमें सात सरकारी मेडिकल कॉलेज (400 सीटें) और 18 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज (2,000 सीटें) शामिल हैं।

पुलिस, खेल और सहकारिता विभाग के 1,733 कर्मचारियों को मिली पदोन्नति

- प्रदेश में प्रमोशन की रफ्तार तेज

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश सरकार बुधवार को पुलिस, खेल एवं युवा कल्याण और सहकारिता विभाग के कुल 1,733 अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए।

मध्यप्रदेश में पदोन्नति प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार ने 31 जुलाई तक सभी विभागों में पदोन्नति आदेश जारी करने का लक्ष्य तय किया है। इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय ने 1,029 उप निरीक्षकों और कार्यवाहक निरीक्षकों को निरीक्षक (इंस्पेक्टर) पद पर पदोन्नत करने के आदेश जारी किए हैं।

खेल विभाग में 91 अधिकारी-कर्मचारियों का प्रमोशन-खेल एवं युवा कल्याण विभाग में भी 91 अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। मुरैना के क्षेत्रीय खेल अधिकारी (आरएसओ) प्रशांत कुशवाह को संयुक्त संचालक बनाया गया है।

सहकारिता विभाग में 613 कर्मचारियों को मिला लाभ

सहकारिता विभाग ने भी 15 संवर्गों में कुल 613 अधिकारियों और कर्मचारियों के पदोन्नति आदेश जारी किए हैं। इनमें प्रथम श्रेणी के 41, द्वितीय श्रेणी के 84, तृतीय श्रेणी के 486 और चतुर्थ श्रेणी के दो कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। संयुक्त पंजीयक, उप पंजीयक, सहायक पंजीयक, अंकेक्षण अधिकारी, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक, सहकारी निरीक्षक, सहायक ग्रेड-1, ग्रेड-2 और ग्रेड-3 सहित विभिन्न पदों पर पदोन्नति के आदेश जारी किए गए हैं।

जनजातीय कार्य विभाग में लंबित मामलों पर समीक्षा

इधर, जनजातीय कार्य विभाग में शिक्षकों की लंबित पदोन्नति और सेवा संबंधी मामलों को लेकर आयुक्त तरुण राठी की अध्यक्षता में ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन और विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठता सूची, गोपनीय चरित्रावली (सीआर), ट्राइबल भत्ता, एचआरए और अन्य प्रशासनिक विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। विभाग ने शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने का भरोसा दिया।

खरीफ फसल का होगा पीएम फसल बीमा

भोपाल। मध्यप्रदेश में खरीफ 2026 सीजन के लिए पीएम फसल बीमा योजना के लिए 31 जुलाई तक आवेदन मांगे गए है। इस योजना में किसान मात्र दो प्रतिशत प्रीमियम देकर अपनी खरीफ फसलों को बीमा करा सकते हैं। यह योजना ऋणी और गैर ऋणी किसानों के लिए लागू रहेगी। इस साल अलनीनो के कारण बारिश की लंबी खेंच को देखते हुए मध्यप्रदेश में किसानों के नुकसान की भरपाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसके लिए खरीफ फसल का पीएम फसल बीमा योजना में बीमा होगा। राज्य सरकार के अनुसार योजना से बाहर रहने की आखिरी तारीख 24 जुलाई तय की गई है। यदि कोई ऋणी किसान बीमित फसल में बदलाव चाहता है, तो उसे 29 जुलाई तक संबंधित बैंक या वित्तीय संस्था को सूचना देना होगी। किसान फसल बीमा के लिए प्रीमियम की राशि के साथ कुछ जरूरी दस्तावेज जमा करना होंगे। इसमें आधार कार्ड, बैंक पासबुक की कॉपी, भूमि संबंधी दस्तावेज जैसे खतौनी, फसल बुवाई प्रमाण पत्र या प्रस्तावित फसल का स्व-घोषणा पत्र अनिवार्य हैं। समाधान के लिए किसान हेल्पलाइन नंबर-14447 और पीएमएफबीवाई व्हाट्सएप 7065514447 नंबर कॉल कर सकते हैं।

मामूली बात पर दो दोस्तों में विवाद,चाकू से जानलेवा हमला

भोपाल (नगर संवाददाता)

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित पंचशील नगर में मंगलवार शाम दो दोस्तों के बीच किसी तीसरे दोस्त से बातचीत करने को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक दोस्त ने दूसरे दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया। दोनों पैरों में गंभीर चोटें आने के कारण घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस के मुताबिक पंचशील नगर निवासी चेतन कुमार (27) प्राइवेट काम करता है। मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे वह अपने दोस्त सईद उर्फ भूरा के साथ कहीं जा रहा था। उसी दौरान उनके बीच किसी तीसरे दोस्त से बात करने को लेकर विवाद होने लगा।

विवाद बढने पर सईद उर्फ भूरा ने मारपीट शुरू कर दी और जेब से चाकू निकालकर चेतन पर हमला कर दिया। आरोपी सईद ने चेतन के दोनों पैरों में घुटने के बाद चाकू से तीन-चार वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ पहले से प्रकरण दर्ज हैं। उसकी तलाश की जा रही है।

मौसम अब तीन दिन बाद पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजधानी समेत पूरे प्रदेश में बारिश के आसार

जुलाई के आधे माह में 163.3 मिमी बारिश, औसत से 56 फीसदी कम

भोपाल (नगर संवाददाता)

पिछले एक सप्ताह से राजधानी में बारिश नहीं हुई है। इससे मानसून ब्रेक की स्थिति बनी हुई है। इस वजह से दिन और रात के तापमान में भी इजाफा हो रहा है। राजधानी में बुधवार को अधिकतम 33.6 डिग्री और न्यूनतम पारा 25.2 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक राजधानी सहित पूरे प्रदेश में तीन दिन बाद पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते बारिश की गतिविधियां बढ़ जाएंगी।

राजधानी में जून के महीने में प्री-मानसून में ही कोटे से अधिक बारिश दर्ज हो गई थी। जून में शहर में 237.0 मिमी बारिश दर्ज हुई थी। मानसून के आगमन के बाद एक सप्ताह तक बारिश की गतिविधिया जारी रहीं। इसके बाद मानसून ब्रेक की स्थिति बनी हुई है। जुलाई में अब तक 163.3 मिमी बारिश दर्ज हुई है, जो जुलाई की औसत बारिश से 56 फीसदी कम है। शहर में जुलाई की औसत बारिश 376.7 मिमी है। पिछले साल जुलाई में 544.4 मिमी बारिश दर्ज हुई थी। इस बार मानसून की दस्तक भी देरी से हुई है। इससे बारिश भी कम हो रही है। राजधानी में पिछले दस साल में पांच बार औसत से अधिक बारिश दर्ज हुई है। जुलाई में सबसे कम 154.7 मिमी बारिश साल 2020 में दर्ज हुई थी।

12 साल में पांच बार औसत से कम बारिश

राजधानी में सीजन की औसत बारिश 973.0 मिमी है। पिछले साल औसत से अधिक बारिश हुई थी। वहीं साल 2014 से साल 2025 तक पांच बार शहर में औसत से कम बारिश दर्ज हुई है। सीजन में सबसे अधिक बारिश 1881.0 मिमी साल 2022 में हुई थी। वहीं सबसे कम बारिश साल 2014 में 725.0 मिमी हुई थी। साल 2014 में शहर में मानसून की दस्तक 7 जुलाई को हुई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शॉप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल तथा ए-95 कस्तूरबा नगर भोपाल मप्र से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा। फोन: 7898826680